राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 26 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–151 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा, शिवसेना को समाप्त करना चाहती है क्योंकि वह हिंदू वोट बैंक को साझा नहीं करना चाहती: उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार की रात आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मकसद शिवसेना को समाप्त करना है क्योंकि वह हिंदू वोट बैंक को साझा नहीं करना चाहती।

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार की रात आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मकसद शिवसेना को समाप्त करना है क्योंकि वह हिंदू वोट बैंक को साझा नहीं करना चाहती। ठाकरे ने भाजपा और शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे को चुनौती दी कि वे शिवसेना के कार्यकर्ताओं और पार्टी को वोट देने वाले लोगों को अपने पाले में करके दिखाएं। पार्टी के पार्षदों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पार्टी के आम कार्यकर्ता उनकी ''पूंजी'' हैं और जब तक वे उनके साथ खड़े हैं, तब तक वे किसी अन्य द्वारा की जाने वाली आलोचना की परवाह नहीं करते।

ठाकरे ने कहा, ''शिवसेना को अपने ही लोगों ने धोखा दिया है।'' शिवसेना के बागी विधायकों के गुवाहाटी के एक होटल में डेरा डालने के बाद उपजे राजनीतिक संकट के बीच ठाकरे ने पार्टी पार्षदों (नगरसेवकों) को संबोधित किया है। ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, ''बगावत करने वाले शिवसेना के विधायकों को विधानसभा चुनाव का टिकट दिया गया, जबकि आप जैसे कई शिवसैनिक नामांकन के इच्छुक थे। ये लोग आपकी कड़ी मेहनत के बल पर चुने जाने के बाद असंतुष्ट हो गए जबकि आप अब भी इस मुश्किल वक्त में पार्टी के साथ खड़े हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने एकनाथ शिंदे से गठबंधन सहयोगियों से जुड़ी शिकायतों को देखने की बात कही थी।

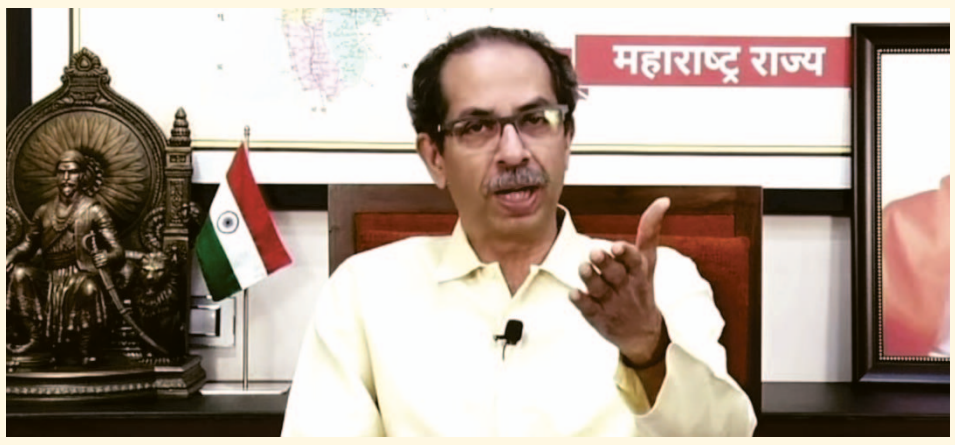

● क्या मित्रता की यही निशानी है?'' शिवसेना प्रमुख ने शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा, ''अगर शिवसेना का एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बनने जा रहा है तो आपको उनके (भाजपा) साथ जाना चाहिए। लेकिन, अगर आप उपमुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो आपको मुझे बताना चाहिए था, मैं आपको उपमुख्यमंत्री बना देता।'' ठाकरे ने कहा कि अगर शिवसेना के कार्यकर्ताओं को लगता है कि वह पार्टी का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हैं तो वह पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं।

उन्होंने मुझसे कहा कि विधायक इस बात का दबाव डाल रहे हैं कि शिवसेना को भाजपा से हाथ मिला लेना चाहिए। मैंने उनसे कहा कि इन विधायकों को मेरे पास लेकर आइये, इस पर चर्चा करते हैं।'' ठाकरे ने कहा, ''भाजपा ने हमारे साथ बुरा बर्ताव किया और वादों को नहीं निभाया। कई बागियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इसलिए, अगर वे भाजपा के साथ जाते हैं तो वे पाक-साफ हो जाएंगे, अगर वे हमारे साथ रहते हैं तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा।

क्या मित्रता की यही निशानी है?'' शिवसेना प्रमुख ने शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा, ''अगर शिवसेना का एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बनने जा रहा है तो आपको उनके (भाजपा) साथ जाना चाहिए। लेकिन, अगर आप उपमुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो आपको मुझे बताना चाहिए था, मैं आपको उपमुख्यमंत्री बना देता।'' ठाकरे ने कहा कि अगर शिवसेना के कार्यकर्ताओं को लगता है कि वह पार्टी का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हैं तो वह पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं।

केजरीवाल की सिंगापुर यात्रा की फाइल 7 जून से उपराज्यपाल के पास अटकी हुई है-सूत्रों का दावा

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार की कई महत्वपूर्ण फाइल को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है जिनमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जुलाई में शहरों से जुड़े विश्व शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निर्धारित सिंगापुर यात्रा से संबंधित फाइल भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह दावा किया। इससे उपराज्यपाल कार्यालय और अरविंद केजरीवाल सरकार के बीच नए सिरे से गतिरोध पैदा होने का अनुमान है। इस संबंध में उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। दिल्ली से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्सेना और केजरीवाल की शुक्रवार को होने वाली साप्ताहिक बैठक से ठीक पहले यह आरोप लगाया गया है। यह अभी पता नहीं चल सका है कि मुख्यमंत्री ने बैठक में इस मुद्दे को उठाया या नहीं। एक सूत्र ने कहा, ''दिल्ली से जुड़े छोटे से छोटे मामलों को लंबे समय तक लंबित रखा जा रहा है, जिससे सार्वजनिक कार्यों में देरी हो रही है। शासन का दिल्ली मॉडल पेश करने के लिए मुख्यमंत्री का सिंगापुर में विश्व नगर सम्मेलन में जाने का कार्यक्रम है लेकिन उपराज्यपाल ने फाइल को अभी मंजूरी नहीं दी है।'' पिछले दिनों, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सक्सेना पर आरोप लगाया था कि वह भारतीय जनता पार्टी का पक्ष लेने के लिए कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने यह आरोप तब लगाया था जब उपराज्यपाल ने कोविड महामारी के दौरान यहां सात अस्थायी अस्पतालों के निर्माण में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए भ्रष्टाचार रोधी शाखा को मंजूरी दे दी थी। इस मामले में भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने शिकायत दर्ज कराई थी। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में आरोप लगाया कि उपराज्यपाल चार अधिकारियों के निलंबन को लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

कोरोना के एक्टिव केस 91000 के पार, पिछले 24 घंटों में 15,940 नए मामले आए सामने

नई दिल्ली। देश में आज कोरोना के नए मामलों में गिरावट देखने को मिली है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटों में 15,940 नए कोरोना मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान 20 लोगों ने कोरोना वायरस के चलते अपनी जान गवाई है। हर रोज तेजी से बढ़ रहे नए मामलों को देखते हुए कल के मुकाबले आज बड़ी गिरावट आई है। बता दें कि कल कोरोना के 17336 मामले आए थे।

एक्टिव केस 91000 के पार

कोरोना के मामलों में गिरावट के बीच एक्टिव मामलों में बढ़ोतरी अभी जारी है। बीते 24 घंटों में कोरोना के एक्टिव मामलों में 3495 केसों की बढ़ोतरी देखी गई है। इसी के साथ अब कुल एक्टिव केस 91,779 हो गए हैं। वहीं दैनिक सकारात्मकता दर 4.39 फीसद पहुंच गई है।

12000 से ज्यादा हुए ठीक

बता दें कि कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या में ज्यादा इजाफा देखने को नहीं मिला है। बीते 24 घंटों में 12425 मरीज कोरोना को मात देकर ठीक हुए हैं। अब कोरोना से ठीक हुए कुल लोगों की संख्या 42761481 हो गई है।

अब टीवी, रियलिटी शो और फिल्मों में बाल कलाकारों का नहीं होगा शोषण

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने किया दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने शुक्रवार को मनोरंजन उद्योग में बच्चों के लिए फिल्मों, टीवी, रियलिटी शो, ओटीटी प्लेटफार्मों, समाचारों में उनकी भागीदारी को विनियमित करने के लिए गाइडलाइन जारी किया है। जसमें मनोरंजन के नाम पर अब बच्चों का शोषण किसी भी प्रकार से नहीं हो सकेगा। %मनोरंजन उद्योग में बच्चों की भागीदारी के लिए दिशानिर्देश% नाम से जारी इस गाइडलाइन के मसौदे में बाल कलाकारों के अधिकारों को पूरी तरह स्पष्ट करते हुए इनके उल्लंघन पर दंड का प्रावधान किया गया है।

बाल कलाकार को आत्म सम्मान के साथ काम करने का अधिकार

इस गाइड लाइन में कहा गया है कि हर बाल कलाकार को आत्म सम्मान के साथ काम करने और उससे जुड़े फैसलों में भाग लेने का अधिकार होगा। उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना होगा। उससे ऐसा कोई रोल नहीं करवाया जा सकेगा जिसकी वजह से उसे शर्मिंदगी उठानी पड़े या उसे भावनात्मक चोट पहुंचे। इन दिनों रियलिटी शोज में जज अक्सर भाग लेने वालों के साथ बहुत बदतमीजी से पेश आते हैं। इस तरह के व्यवहार की नई गाइडलाइन में साफ मनाही की गई है। यह कहती है कि बच्चों से किसी भी तरह के नग्नता या अश्लीलता के सीन नहीं करवाए जा सकते।

वातावरण बच्चों के लिए हो सुरक्षित–आयोग की गाइडलाइन में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वातावरण बच्चों के लिए सुरक्षित हो। कार्यक्रम-निर्माता बच्चों के लिए पर्याप्त भोजन और पानी के साथ-साथ विश्राम कक्ष के लिए जिम्मेदार होगा। अगर कलाकार 6 साल से कम उम्र का है तो हर समय उसके साथ मां-बाप में से एक व्यक्ति या उसका लीगल गार्जियन मौजूद रहे। इसी तरह 6 साल से बड़े बच्चों के साथ भी गार्जियन या उसके किसी परिचित का मौजूद रहना जरूरी होगा। बाल कलाकारों से एक दिन में सिर्फ एक ही शिफ्ट में काम करवाया जा सकेगा। साथ ही हर तीन घंटे के बाद उन्हें ब्रेक देना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 77 का पालन करते हुए, बच्चों को शराब, धूम्रपान या किसी अन्य पदार्थ का सेवन करते हुए नहीं दिखाया जाना चाहिए। बच्चों को जिलाधिकारी के पास अपना नाम दर्ज कराना होगा।

शिवसेना ने अयोग्य करार देने के लिए

चार और विधायकों के नाम विधानसभा उपाध्यक्ष को भेजे

मुंबई। शिवसेना ने चार और बागी विधायकों के नाम महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष के पास भेजे हैं ताकि उनके खिलाफ अयोग्य करार देने की कार्रवाई शुरू की जा सके। एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार शाम को यह जानकारी दी। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने यहां कहा कि पार्टी बागी धड़े के 16 विधायकों को भी नोटिस जारी करेगी और उनसे सोमवार तक जवाब देने को कहेगी। जिन चार विधायकों के नाम उपाध्यक्ष के पास भेजे गए हैं उनमें संजय रायमुलकर, चिमन पाटिल, रमेश बोरनारे और बालाजी कल्याणकर शामिल हैं।

सावंत ने कहा, ''उन्हें एक पत्र जारी करने के बावजूद उनमें से कोई भी मुंबई में यहां बुधवार शाम को हुई पार्टी की बैठक में शामिल नहीं हुआ।'' पार्टी ने बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे समेत 12 नेताओं के नाम पहले ही उपाध्यक्ष को भेजकर उन्हें अयोग्य करार देने की मांग की है। सावंत ने कहा, ''अब केवल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शिवसेना में उनकी वापसी के बारे में फैसला ले सकते हैं, वरना पार्टी के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हैं। उन्होंने भगवा ध्वज के साथ विश्वासघात किया है।

चंबल में मतदान शुरू होने से पहले ही युवक की गोली मारकर हत्या

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के आलमपुर थाना क्षेत्र में पंचायत चुनाव का मतदान शुरू होने से पहले ही एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। घटना के बाद से ही गाँव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

मध्य प्रदेश के चंबल में पंचायती चुनावों के दौरान पुलिस प्रशासन को जिसका डर था, उसकी शुरुआत हो चुकी है। भिंड जिले के आलमपुर थाना क्षेत्र में पंचायत चुनाव का मतदान शुरू होने से पहले ही एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। घटना के बाद से ही गाँव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालांकि मामले में पुलिस का कहना है कि यह हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई है, इसकी जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के रुरई गांव में बिल्लु चौहान नाम के युवक की हत्या की गयी है। घटना शनिवार अलसुबह की है। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची है। मामले को लेकर एसडीओपी अवनीश बंसल का कहना है कि सात साल पहले सेंवडा में गांव के दो लोगों की हत्या हुई थी। इस मामले में बिल्लू हत्या का आरोपी था और एक साल पहले ही जमानत पर छूटा था। चौहान परिवारों की आपसी रंजिश में उसका क़त्ल हुआ है।

पुलिस ने पंचायत चुनाव से संबंध से किया इनकार

फिलहाल पुलिस मामले की जाँच कर रही है। हालांकि एसडीओपी अवनीश बंसल का कहना है कि इस हत्या का पंचायत चुनाव से कोई सम्बंध नहीं है। लेकिन फिर भी इस ऐंगल से इसकी जांच की जा रही है। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पूरे गांव में तनाव के बीच सन्नाटा पसरा हुआ है। गौरतलब है कि ग्वालियर चंबल अंचल में पंचायत चुनावों में आपसी रंजिश को लेकर खून खराबा लंबे समय से होता आ रहा है। भले ही पुलिस प्रशासन इस मामले का चुनाव से संबंध नहीं बता रहा हो, लेकिन स्थानीय लोग दबी जुबान इसका संबंध चुनाव से ही जोड़ रहे हैं।

राजस्थान में महाराष्ट्र पैटर्न लागू करने की तैयारी! भाजपा नेताओं के बयानों से अटकलों को मिली हवा

जयपुर। राजस्थान के भाजपा नेताओं को उम्मीद है कि राजस्थान में भी महाराष्ट्र की तरह खेला होगा। भाजपा नेताओं के बयानों से संकेत मिल रहे है कि पार्टी आलाकमान की नजरें राजस्थान पर है। राजस्थान में भी महाराष्ट्र पैटर्न लागू हो सकता है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से लेकर प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया प्रदेश में महाराष्ट्र जैसे हालात होने के संकेत दे रहे हैं। प्रदेश के भाजपा नेताओं का कहना है कि गहलोत सरकार जुगाड़ से चल रही है। सरकार खुद गिर जाएगी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस में आंतरिक संघर्ष है। मंत्री-विधायक एक साथ नहीं बैठते। ऐसे हालात में कुछ भी हो सकता है। चतुर्वेदी का कहना है कि राजस्थान कांग्रेस में चल रहा आतंरिक संघर्ष हमें मध्यावधि चुनाव की ओर ले जा रहा है। जिस तरह से भाजपा नेताओं के बयान आ रहे हैं, उससे राज्य की सियासत का पारा गर्मा गया है।

कांग्रेस का पलटवार

हालांकि, सीएम गहलोत के करीबी जलदाय मंत्री महेश जोशी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा नेता मुंगेरलाल के हसीन सपने देखने के लिए स्वतंत्र है। जनता एक बार फिर भाजपा को जवाब देगी। महेश जोशी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के विधायक के खरीद-फरोख्त के प्रयास सफल नहीं होंगे और फिर से मुंह की खानी पड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत जोड़-तोड़ में माहिर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का कहना है कि गहलोत सरकार जुगाड़ के भरोसे है। जिसका टायर कब फट जाए पता नहीं। उन्होंने कहा कि जुगाड़ की इस सरकार में न स्टेयरिंग का पता है और न इसमें हॉर्न बजता है। ऐसे में ये जुगाड़ वाली सरकार चलती नहीं, केवल खिसकती ही है। सतीश पूनिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद कमजोर है और तोहमत भाजपा पर लगाती है। लेकिन बचाव का यह तरीका बेहद कमजोर हो चुका है। हाल ही में चौमूं में बीजेपी की जन आक्रोश रैली में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश में विधायकों के सरकार में किए गए बदलाव का उदाहरण देते हुए सचिन पायलट का नाम लिया था और कहा था कि थोड़ी चूक राजस्थान में पायलट जी से हो गई। उसके बाद भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता अरुण चतुर्वेदी ने कांग्रेस की मौजूदा स्थिति को देखते हुए राजस्थान में मध्यावधि चुनाव की संभावना जता दी थी और अब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का यह बयान इस बात का संकेत है कि भाजपा आलाकमान की नजरें अब राजस्थान पर भी है।

महाराष्ट्र जैसे हालात संभव नहीं

जानकारों का कहना है कि भाजपा नेता भले ही दावे करें लेकिन राजस्थान में महाराष्ट्र जैसे हालात होना मुमकिन नहीं है। विधानसभा में संख्या बल कांग्रेस के पक्ष में है। हाल ही में संपन्न हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को 126 विधायकों का समर्थन मिला था। कांग्रेस के 108, 13 निर्दलीय, एक आरएलडी, दो सीपीएम और दो बीटीपी विधायकों को मिलाकर 126 विधायकों के समर्थन है। भाजपा कुछ निर्दलीयों और नाराज कांग्रेस विधायकों में सेंध लगाने का प्रयास भी करें तब भी महाराष्ट्र जैसे हालात उत्पन्न नहीं होंगे। विधानसभा में भाजपा के पास 70 विधायक है। भाजपा नेताओं के बयान गहलोत सरकार को कमजोर करने की दिशा में अपनाई गई एक रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

सीएम गहलोत ने हर रणनीति को किया फेल

राजस्थान की राजनीति में सीएम अशोक गहलोत बड़े खिलाड़ी माने जाते हैं। भाजपा मध्यप्रदेश और कर्नाटक में सियासी उलटफेर करने में सफल हो गई है, लेकिन राजस्थान में सीएम गहलोत की रणनीति सामने भाजपा के सियासी समीकरण गड़बड़ा गए। साल 2020 में पायलट गुट की बगावत के बावजूद भी सीएम गहलोत ने अपनी सरकार को गिरने से बचा लिया। सीएम गहलोत ने विधानसभा उप चुनाव से लेकर राज्यसभा के चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है, मुझे संतुष्टि देता है। - जवाहर लाल नेहरु

संपादकीय

कश्मीर अब पूरी तरह हमारा है...

(लेखक - विष्णुदेव साय)

जम्मू कश्मीर को देश के संविधान के दायरे में लाने सबसे पहले आवाज उठाने वाले महान विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के संदर्भ में यह उद्घोष उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है कि शहीद हुए थे जहां मुखर्जी वह कश्मीर अब पूरी तरह हमारा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह प्रण आजादी के 7 दशक बीत जाने के बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35-ए को खत्म करने का अध्यादेश पारित कराया। इसके बाद ही जम्मू कश्मीर सच्चे अर्थों में भारत का अभिन्न अंग बना। साज़िश के तहत जिन शर्तों और नियमों के साथ जम्मू कश्मीर को भारत में शामिल किया गया था, उसके विरुद्ध डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी शुरु से ही मुखर थे। उन्होंने जम्मू कश्मीर जाकर अपना विरोध दर्ज कराया। लेकिन दुर्भाग्य से उनके जीवन काल में उनका स्वप्न साकार नहीं हो सका। रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी देश की अखंडता के लिए बलिदान देने वाले पहले व्यक्ति थे। डॉ मुखर्जी का सपना सच होने के बाद जम्मू कश्मीर के हालात में आया क्रांतिकारी परिवर्तन इस सत्य का प्रमाण है कि यदि तब देश को कश्मीर से अलग थलग करने वाली शर्तें लागू न की गई होतीं तो परिस्थिति वह नहीं होती, जो सत्तर साल के दौरान सामने आई। लेकिनअब जम्मू कश्मीर का विकास संभव हो गया है। केंद्र की भाजपा सरकार ने विकास की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। चालू वित्त वर्ष के बजट में केंद्र सरकार ने धरती के स्वर्ग को संवारने पुख्ता इंतजाम किया है। केवल कश्मीर ही नहीं, आज हम जो बंगाल देख रहे हैं, वह भी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने ही गढ़ा है। यदि उन्होंने बंगाल के विभाजन का पक्ष न रखा होता तो पूरा बंगाल ही भारत के हाथ से निकल गया होता। भारत विभाजन की त्रासदी के शिकार हुए लाखों शरणार्थियों की सेवा के लिए डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने मिसाल कायम की, वह अद्वितीय है। तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू की नीतियों के विरोध में उद्योग मंत्री का पद त्याग देने वाले डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देश को वह उद्योग नीति दी, जिससे औद्योगिक विकास हो सका। यदि कांग्रेस और नेहरू ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के विचारों की गंभीरता को देशहित में स्वीकार किया होता तो भारत सत्तर साल तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में उपेक्षित नहीं रहता। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भाजपा की हर सांस में बसे हैं। जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह बदलकर कमल पुष्प रखा था। भारतीय जनता पार्टी का प्रतीक चिन्ह कमल है जो उनके विचारों और आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस के विरुद्ध राष्ट्रवादी विकल्प का संकल्प लिया था, जिसे भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण कर दिया है। नेहरू और कांग्रेस ने देश पर जो नीतियां थोपीं, उनसे गुलामी की बदबू आ रही थी। देश इन बेड़ियों को तोड़ने कसमसा रहा था। अवसर मिला तो अटलबिहारी वाजपेयी जी ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के पथ पर संचलन करते हुए देश को नई दिशा दी। उनके बाद कांग्रेस के दस साल में फिर देश जहां का तहां पहुंच गया तो भारत का गौरव बढ़ाने का जनादेश मां भारती के फौलादी सुपुत्र नरेंद्र मोदी को मिला। तब से अब तक आठ साल में भारत विश्व की महाशक्तियों के बीच सम्मान पा रहा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस के विरुद्ध जिस राष्ट्रवादी विकल्प का सपना देखा था, वह कांग्रेस ही नहीं वैश्विक परिदृश्य में भी साकार हो गया है। आज भारत विश्व बिरादरी के लिए अपरिहार्य है। भारत की उद्योग नीति इतनी सुदृढ़ हो गई है कि औद्योगिक विकास नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की संकल्प शक्ति भारत विकास की मार्गदर्शन कर रही है। भारत माता के बलिदानी सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को विनम्र श्रद्धांजलि। (लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हैं)

युवा पीढ़ी उगता सूरज देखना भूल गयी

(लेखक- विजय कुमार जैन)

पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से युवा पीढ़ी प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख हो रही है। आधुनिक संचार क्रांति एवं सोशल मीडिया के निरंतर बढ़ते प्रभाव से जितने लाभ हैं, उनसे ज्यादा नुकसान युवा पीढ़ी को हो रहा है। युवा वर्ग अनेक विकृतियों से घिर गया है। समय का प्रभाव कहें या पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव कहें आज के युवा वर्ग की जीवन शैली ही पूरी तरह से बदल गयी है। युवाओं की सोच एवं जीवन शैली में परिवर्तन होना गंभीर एवं विचारणीय प्रश्न है। सहशिक्षा, प्रेम विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, क्लब संस्कृति, विवाह पूर्व फिल्मांकन,हनीमून यात्रा, शराब, स्मैक, हुक्का आदि से नशा करने की अनेक गंदी आदतें युवाओं में बढ़ती जा रही हैं।आज हम युवाओं की एक और गलत आदत प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व नहीं जागने का उल्लेख कर रहे हैं। मेरे सहयोगी समाज सेवी अभिन्न मित्र अजय जैन वरया ललितपुर ने ज्वलंत समस्या पर हमारा ध्यान आकर्षित किया है।आपका कहना है आज के अधिकतर युवक उगते हुए सूरज को देख ही नहीं पाते, उन्हें नहीं पता कि सूरज कब उगता है और कैसा दिखता है उगते हुए सूरज को देखने से कुछ मिनिट संपर्क में रहने से क्या-क्या लाभ होते हैं। वह इन सब से अनभिज्ञ है। क्योंकि वर्तमान परिवेश के अधिकांश युवा वर्ग सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक बिस्तर पर ही रहता हैं। यह हाल किसी एक परिवार का नहीं है।ऐसे भारत देश में अधिकतर परिवार देखने को मिल जाएंगे। आज जहां मोबाइल कई लोगों के लिए वरदान साबित हुआ है वहीं अधिकांश युवाओं के लिए अभिशाप बन रहा है। भारतीय संस्कृति में आयुर्वेद का उल्लेख है आयुर्वेद के दिशा निर्देश अनुसार रात्रि 10:00 बजे तक सोने का समय होता है इसके विपरीत युवा वर्ग रात्रि 10:00 बजे से मोबाइल चलाना प्रारंभ करता है और 12:00 बजे से 1:00 बजे तक मोबाइल में ही उलझा रहता है। जिसके परिणाम स्वरुप में देर सुबह तक अपनी नींद पूरी करने के लिए मजबूर हो जाता है। बच्चों की इस जीवन शैली से माता-पिता तनाव में रहते हैं, वही बच्चे के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। आज के अधिकतर बच्चों, किशोरों एवं युवकों को चश्मा लग रहे हैं। क्योंकि उनकी आंखों की रोशनी कम हो रही है । बच्चों में देर रात तक जागने के कारण चिड़चिड़ापन भी हो रहा है। साथ ही जैसे युवा अवस्था में बच्चों को मां-बाप का सहारा बनना चाहिये।अपना भविष्य बनाने की सोचना चाहिए। लेकिन कुछ उल्टा ही हो रहा है। आज बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। साथ ही बच्चे भी तनावग्रस्त हो रहे हैं।अपनी ऊर्जा का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं। माता-पिता और परिवार जन चाहते है युवा वर्ग सही समय पर सोना और सही समय पर उठना प्रारंभ कर दें और सूर्य की प्रथम किरण का आनंद ले। वर्तमान में बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से युवाओं के शरीर की चमड़ी कठोर नजर आती है उसमें भी सुधार आएगा। और शरीर में खून का संचार ठीक रहेगा। अगर आप ज्यादा देर तक सोते हैं तो दिल की सेहत पर बोझ पड़ने लगता है। वर्ष 2013 में अमेरिकन जर्नल आफ कार्डियोलॉजी की एक रिपोर्ट के अनुसार लंबे समय तक सोने से लेफ्ट वेंट्रिकुलर का वजन बढ़ सकता है। जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ने लगती है। न्यूरोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि कम नींद की वजह से कार्डियोवैस्कुलर रोगों का खतरा 18ब बढ़ जाता है।जबकि देर तक सोने की वजह से स्ट्रोक का जोखिम 40ब रहता है। स्मरणीय है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद जरूरी है।भरपूर नींद लेने से आपको दिन के कामों को करने के लिए ऊर्जा मिलती है। रोजाना 8 से 9 घंटों की नींद लेते हैं तो डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से भी आपका बचाव होता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं कि घंटों सोते रहे। क्योंकि यह आदत आपको बीमार बना सकती है। ज्यादा देर तक सोना व सुबह के समय देर तक सोने से आपको कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में अधिक सोना डिप्रेशन, हृदय संबंधी रोग, थायराइड और कुछ विशेष प्रकार की बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। इसलिए इस स्थिति को ठीक से समझना जरूरी है लंबे समय तक सोना आपके मूड को भी प्रभावित कर सकता है और इससे आपको अवसाद भी हो सकता है। नींद मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर को प्रभावित करती है।लंबी नींद से शारीरिक गतिविधि कम हो जाती हैं। जबकि न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर को बढ़ाने के लिए अधिक शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण है। जो आप की मनोदशा को बेहतर बनाती है। वर्तमान में युवक युवती उच्च शिक्षा हेतु बड़े नगरों में जाते है। बड़े नगरों में अपने मित्रों के संपर्क से मौज मस्ती करने बड़े बड़े होटलों एवं क्लबों में जाने लगते है।माता- पिता समझते हैं उनकी संतान उच्च अध्ययन कर रही है, मगर ये अपने परिवार को धोखा देते हैं।पिछले दस वर्ष पुरानी घटना है हम सामाजिक बैठक में भाग लेने रेल से प्रात: 6 बजे हजरत निजामुद्दीन रेल स्टेशन उतरे। हम टेक्सी से जा रहे थे, स्टेशन के समीप एक होटल से प्रातः युवक युवतियों की भीड़ निकली। मैंने मेरे मित्र महेन्द्र जैन से जिज्ञासा से पूछा सुबह यह भीड़ कहाँ से आ रही है। उन्होंने मुझे बताया शनिवार को रात में युवक होटल जाते हैं, वहाँ रात भर खाना पीना, नाचना गाना और अनैतिक कार्य करते हैं। प्रात- होटल से निकलकर अपने आवास पर जाकर सो जाते हैं।रात भर मौज मस्ती करना, फिर प्रातः आवास पर जाकर सो जाना, वहुत ही अशोभनीय आदत है। इस गंदी आदत से ग्रसित युवक युवती परिवार एवं समाज का नुकसान कर रहैं। स्वयं के जीवन को भी निराशाजनक बना रहे हैं। इसलिए सोने का एक नियम बनाएं आयुर्वेद विशेषज्ञों की मानें तो अतिरिक्त नींद और मोटापे के बीच एक कनेक्शन है। यदिआप लंबे समय तक सो रहे हैं तो आप इस अवधि के लिए शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। कम शारीरिक गतिविधि का मतलब है कि आपका शरीर कम कैलोरी खर्च कर पा रहा है।

जिससे आपका वजन बढ़ने लगता है स्लीप पत्रिका में प्रकाशित सन् 2008 के एक शोध अनुसार लंबे समय तक सोने से भविष्य में वजन बढ़ने के अलावा हाई ब्लड प्रेशर और हाई ब्लड शुगर की आशंका हो जाती है इसलिए अपने सोने की अवधि को 8 घंटे से ज्यादा ना बढ़ाएं जब आपका शरीर स्वस्थ रहेगा तभी आप अपने लिए, अपने परिवार के लिए और अपने समाज के लिए कुछ हटकर कर पाएंगे। क्योंकि युवा शक्ति ही वह शक्ति है जो अपने परिवार में अपने देश में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। वैसे भी कहा गया है युवा शक्ति ही देश की कर्णधार है।भारतीय युवा शक्ति में आ रही विकृतियों पर विराम लगाना देश हित एवं समाज हित में है।

नोट:- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

दुनिया में बढ्ता नशे का कहर, नशा है एक धीमा जहर?

(लेखक-नरेन्द्र भारती/अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस)

बेशक प्रतिवर्ष की तरह 26 जून 2022 को पूरी दुनिया में अंतराष्टरीय नशा निषेध दिवस मनाया जा रहा है मगर हर साल औपचारिकताएं ही निभाई जाती है।संकल्प लिये जाते हैं दावे किए जाते है।अंतराष्टरीय स्तर पर नीतियां बनाई जाती है। मगर धरातल पर कुछ नहीं होता।नशे के सेवन को रोकने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।नशा एक धीमा जहर है। दुनिया के देशों में नशा करने वालों की मृत्यु दर भी बढती जा रही है।तमाम दावों के बावजूद नशा नहीं रुक रहर है। प्रतिवर्ष लाखों लोग दुनिया में नशें के कारण अकाल मौत मर रहे है। पूरी दुनिया के देशों में जागरुकता अभियान चलाए जाते है।सैमीनार लगाए जाते है।नशे के दुष्परिणामों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा लोगों को सलाह दी जाती है।एक दिन ऐसे दिवस मनाने से कुछ नहीं होगा। देशों की एकजुटता से ही नशे को रोका जा सकता है।दुनिया में नशीले पदार्थो की तस्करी की खबरे समाचार पत्रों में प्रकाशित होती है।नशीली दवाएं पकड़ी जाती है। आज कोकीन,अफीम, गांजा ,हैरोईन व हशीश व ब्राउन शुगर तथा चरस व भांग जैसे नशे किए जा रहे है। आज बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक नशे के गुलाम बन चुके है।नशा आज स्टेटस सिबंल बन चुका है।कैसी विडंबना है कि मानव को नशे से होने वाली बीमारियों का पता है फिर भी खुद ही मौत को दावत दी जाती है।पुरुष तो नशा करते ही है मगर आज महिलाए भी नशें की गिरफत में आ चुकी है।दर्जनों प्रकार के नशों को करती है।दुनिया में नशा करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि बहुत ही चिंताजनक है।नशा छुड़ानें के लिए नशा मुक्ती केन्द्र खोले जा रहे है। बीते 31 मई 2022 को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया गया मगर ऐसे दिवस औपचारिकता भर ही रह गए है।युवा पीढ़ी नशें की गुलाम हो चुकी है।दुनिया भर के युवा नशे की अंधी गलियों में भटक चुके है। युवाओं को बाहर निकालना हरेक का नैतिक कर्तव्य है।दुनिया में हर साल लाखों युवा नशे के कारण असमय ही मौत के आगोश में समाते जा रहे है।नशा निषेध दिवस पर एक संकल्प लेना होगा। नशेडी होती जा रहे युवा नशे की सब कुछ मान बैठे है।आज छोटे-छोटे बच्चे नशे के आदी हो चुके है।अभी उनके दूध के दांत भी नही। टूटे है कि मगर ऐसे नशे करते है कि रुह कापती है।आजकज चिटटे व डोडे व भुककी व बूट पालिस व गंदे से गंदा नशा किया जा रहा है।शराब व दवाओं का नशा किया जा रहा है।हर रोज चिटटे व हैरोइन के अवैध कारोबार करने वालों कों पकड़ा जा रहा है।नशा आज एक फैशन बन चुका है।नशें के कारण आज कई घरों के चिराग बूझ गए तो कुछ जेलों में चक्की पीस रहें है।जेलों में सड़ रहे है।अक्सर देखा गया है कि उच्च घरानों के युवा मंहगें नशें कर रहे है।नशें के बिना रह नहीं सकते ।जिंदगियां दाव पर लगा चुके है।जिंदा लाशें बनते जा रहे है।लाईलाज बीमारियों से ग्रस्त होते जा रहे है।आज लाखों युवा नशें के कारण मर चुके है।नशें की दलदल में धसतें जा रहे है।इस दलदल से निकला बहुत ही मुशिकल है।आज मां-बाप दुखी है कि उनके चिराग नशें की गिरफत में आते जा रहे है।आज नशे के सौदागर युवाओं के भविष्य खराब करते जा रहे है।अगर युवा ही नशें का प्रयोग करेगा तो आने वाला कल अंधकारमय ही होगा।युवा के कंधों पर देश टिका है मगर यह कंधें थक चुके है।नसों में नशा भर चुका है।जवान काया शिथिल होती जा रही है।नशे के कारण सड़क हादसों में हर साल लाखों युवा बेमौत मारे जा रहे है।सरकारों को राजस्व प्राप्त होता है।सरकारों को कर्णधारों की कोई फिक्र नहीं हैं।राजस्व से ही खजाना भरा जा रहा है।युवा मर रहे है।चंद मिन्टों के मजे के लिए अनमोल जीवन बरबाद कर रहे है।युवतियां भी नशे की दलदल में फंस चुकी है।समाचार पत्रों में डरावने समाचरों से पता चलता है कि आज लड़कियां भी चार कदम आगे जा चुकी है।सिगरेट व अन्य चरस जैसे नशे शरीर के अंगों को प्रभवित करती है। दुनिया में कैंसर व तपेदिक व गले के कैसर से मौतों का आंकड़ा हर साल बढ़ता ही जा रहा है।अगर इन नशे को नहीं रोका तो आने वाले साालों में भयावह परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। नशा समाज व देशों के लिए नासूर बन गया है।नशे को मिटाने की कसम लेनी होगी। आज नशें के कारण इकलौते बच्चे मारें जा रहे है। नशें के लिए पैसा न मिलने के लिए मां-बाप को मौत के घाट उतारा जा रहा है। सामने मर रहे है।अगर सरकारों ने अभी भी कुभंकरणी नींद न तोड़ी तो फिर सब कुछ लुट जाएगा।नशे के कारण अपराधों में इजाफा हो रहा है।समाज को इस बुराई पर मंथन करना होगा ताकि चिरागों को बचाया जा सके।तम्बाकू उत्पादों पर रोक लगानी होगी।अगर दुनिया की सरकारें चाहे तो क्या नहीं कर सकती।राजस्व के लिए और भी साधन है।ऐसा राजस्व किस काम जो युवाओं की मौत से प्राप्त हो रहा है।युवाओं की बलि ली जा रही है।नशें का कारोबार करने वालों पर दंडात्मक कारवाई करनी होगी।स्कूलों व कोलेजों के सौ मीटर के दायरे में धूम्रपान बेचने वालों को सजा दी जाए जो चंद चांदी के सिक्कों की कमाई के लिए युवाओं का जीवन लील रहे है।लावारिस लाशें मिल रहीं है।युवाओं को बचाना हमारी जिम्मेवारी है।अपराध की जननी नशा ही है। नशें के कारण दंगें व फसाद होतें जा रहे है।नशें में अंधा होकर दुष्कर्म किए जा रहे है।युवा अनमोल पूंजी है।युवा देश की धरोहर है।समाज में एक कमेटी गठित करनी होगी तभी यह नशा बंद हो सकता है।नशा करने वालों को समाज से बहिष्कृत किया जाए उनका हुक्का पानी बंद किया जाए ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके और युवाओं का जीवन बचाया जा सके।सामाजिक संस्थाओं को नशे के खिलाफ अभियान चलाने होगें।युवा ही देश को आगे ले जा सकते है।समय अभी संभलने का है।समाज को नशें के विरुद्ध आवाज उठानी होगी।ताकि युवाओं का भविष्य संवर सके। अगर समाज अब भी नहीं जागा तो युवा नशें की दलदल में धंसता जाएगा।समाज से इस बुराई को जड़ से मिटाना होगा। नशे को बंद करने के लिए कानून बनाना चाहिएं।हर राज्यों की सहभगिता हो तो नशे पर लगाम लग सकती है। नशा मुक्ती केन्द्र खोलने चाहिए ताकि युवाओं की काउंसलिग की जा सके।सरकार को बिना समय गंवाए इस पर रोक लगानी होगी ताकि युवाओं की पीढ़ियां बचाई जा सके। आने वाली पीढ़ीओं को नशे को त्यागना होगा।जीवन को मत गंवाओ जीवन एक बार ही मिलता है।दुनिया के सभी देशों को सर्तकता बरतनी होगी। नशे का खात्मा करना होगा।नशे का सेवन रोकना होगा।दुनिया के तमाम देशों की भागीदारी से ही नशों को रोका जा सकता है।तभी ऐसे अंतराष्टरीय नशा निषेध दिवसों की सार्थकता होगी।

आज के कार्टून

मन को बांधना

जग्गी वासुदेव

अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जायेंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं तो आप ऐसी चीज़ के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। यह मन का एक जाल है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो। सारा भ्रम बस यही है। मन ही इसका आधार है। अगर आप मन से परे चले जाते हैं तो एक ही झटके में हर चीज़ के पार चले जाते हैं। आध्यात्मिक विज्ञान के सभी प्रयास बस इसीलिए हैं कि मन से परे कैसे जाएं? मन की सीमाओं से बाहर जा कर जीवन को कैसे देखें? बहुत से लोगों ने योग को अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया है। लोग कहते हैं-'अगर आप ब्रह्मांड के साथ एक हो जाते हैं, तो ये योग है। खुद से परे चले जाते हैं तो योग है। भौतिकता के नियमों से प्रभावित नहीं हैं तो योग है।' ये सब बातें ठीक हैं। अदभुत परिभाषाएं हैं, इनमें कुछ भी गलत नहीं है, मगर अपने अनुभव की दृष्टि से आप इनसे संबंध नहीं बना पाते। किसी ने कहा,'अगर आप ईश्वर के साथ एक हो जाते हैं तो आप योग में हैं। आप नहीं जानते कि ईश्वर कहां हैं तो आप एक कैसे हो सकते हैं? पर पतंजलि ने ऐसा कहा-'मन के सभी बदलावों से ऊपर उठना, जब आप मन को समाप्त कर देते हैं, जब आप अपने मन का एक भाग बनना बंद कर देते हैं, तो ये योग है।' इस दुनिया के सभी प्रभाव आप में सिर्फ मन के माध्यम से ही आ रहे हैं। अगर आप, अपनी पूर्ण जागरूकता में, अपने मन के प्रभावों से ऊपर उठते हैं तो आप स्वाभाविक रूप से हर चीज़ के साथ एक हो जाते हैं। आपका और मेरा अलग-अलग होना, समय-स्थान की सारी भिन्नताएं भी, सिर्फ मन के कारण होती हैं। ये मन का बंधन है। अगर आप मन से परे हो जाते हैं तो समय-स्थान से भी परे हो जाएंगे। अगर आप मन के सभी बदलावों और अभिव्यक्तियों से ऊपर उठते हैं तो आप मन के साथ खेल सकते हैं। अपने मन का उपयोग जबरदस्त तरीके से कर सकते हैं पर अगर आप मन के अंदर हैं तो आप कभी भी मन की प्रकृति को नहीं समझ पायेंगे।

सू-दोकू नवताल -2150

		8	2		1		7	5
				4				1
6	4		5	3	7		8	
7		6		1		5	9	2
	9						6	
1	2	3		9		7		8
	5		1	7	4		2	6
8				2				
4	6		3		8	9		

सू-दोकू -2149 का हल

5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2150

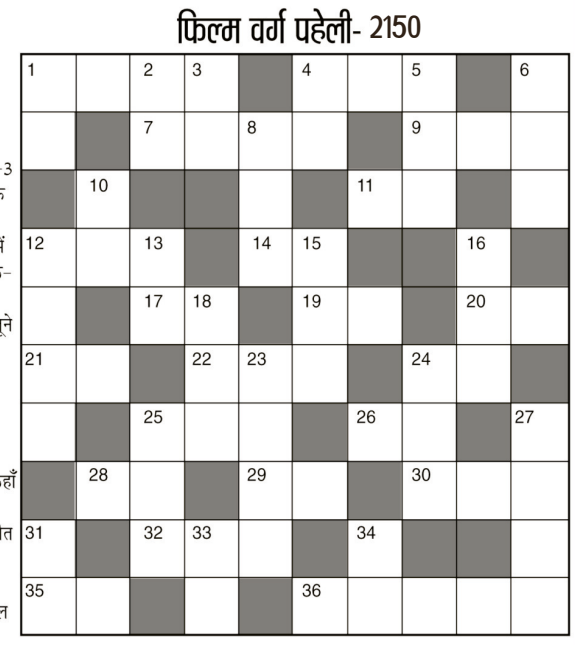

बायें से दायें:-

1. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-4
4. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
7. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-3
11. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-2
12. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-3
14. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
17. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-2
19. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-2
20. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
21. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-2
22. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-3
24. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-2
25. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-3
26. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-2
29. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
30. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
32. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
35. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
36. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

13. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-2
15. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-3
16. आफताब, लिसा रे की फिल्म-3
18. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-3
23. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
25. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-4
31. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-2
33. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-2
34. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2149

1. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
2. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-2
3. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
4. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-2
5. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
8. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
10. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-2
12. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-4

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर आई गिरावट

- 17 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.87 अरब डॉलर की कमी हुई

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से गिरावट दर्ज की गई है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जबकि इसमें गिरावट आई है। इससे पहले सिर्फ दो सप्ताह इसमें बढ़ोतरी हुई थी। उससे पहले लगातार 10 सप्ताह तक इसमें कमी भी हुई थी। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक बीते 17 जून को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 5.87 अरब डॉलर की कमी हुई है। इसी के साथ अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 590.588 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले सप्ताह 10 जून 2022 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.599 अरब डॉलर घटकर 596.458 अरब डॉलर रह गया था। ऐसा लगातार तीसरे सप्ताह हुआ, जबकि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटा है। अपना विदेशी मुद्रा भंडार एक महीने से अधिक समय तक 600 बिलियन डॉलर से नीचे रहा था। इसके साथ ही यह लगातार 10 सप्ताह तक गिरा था। तब जा कर 20 मई 2022 और 27 मई 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें बढ़ोतरी हुई थी। आरबीआई के साप्ताहिक सांख्यिकीय आंकड़ों के मुताबिक 27 मई को सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। दस जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों या फॉरेन करेंसी असेट में आई गिरावट है। यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में फॉरेन करेंसी असेट 5.362 अरब डॉलर घटकर 526.882 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 25.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 40.584 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास जमा विशेष आहरण अधिकार 23.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.155 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी 1.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.968 अरब डॉलर रह गया।

आरबीआई ने आईओबी पर लगाया 57.5 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजानिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पर 57.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह कार्रवाई कुछ मानदंडों तथा धोखाधड़ी से संबंधित नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर की गई है। आरबीआई के अनुसार मार्च 2020 के ओ खिरी में अपनी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के वैधानिक निरीक्षण और रिपोर्टों की जांच के आधार पर यह जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि आईओबी पता लगाने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर, एटीएम कार्ड क्लोनिंग या स्किमिंग से जुड़े धोखाधड़ी के कुछ मामलों की जानकारी देने में विफल रहा था।

जोमेटो के बोर्ड ने ब्लिंकइट खरीदने की दी मंजूरी

मुंबई । ऑनलाइन खानपान उत्पाद आपूर्तिकर्ता जोमैटो 4,447.48 करोड़ रुपए में ब्लिंकइट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में ग्रोफर्स) का अधिग्रहण करने की योजना बना रही है। जोमैटो ने शेयर बाजार को भेजी गई सूचना में कहा कि यह सौदा शेयरों की अदला-बदली व्यवस्था के तहत किया किया जाएगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को हुई बैठक में ब्लिंकइट कॉमर्स के शेयरधारकों से 13.45 लाख रुपए प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर 33,018 शेयरों के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। इस प्रकार यह सौदा 4,447.48 करोड़ रुपए का है। इस सौदे के तहत जोमैटो के एक रुपए अंकित मूल्य के 62.85 करोड़ पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर 70.76 रुपए प्रति इक्विटी के भाव पर जारी किए जाएंगे। जोमैटो ने कहा` कि यह अधिग्रहण सामान की फौरन आपूर्ति करने वाले कारोबार में निवेश करने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। ब्लिंकइट के प्रस्तावित अधिग्रहण को लेकर शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में जोमैटो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि सामान की फौरन आपूर्ति करने वाला कारोबार पिछले एक साल से हमारी रणनीति में प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है। उन्होंने कहा` कि हमने इस क्षेत्र को भारत और वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ते हुए देखा है। ग्राहकों के लिए किराने और अन्य आवश्यक वस्तुओं की फौरन डिलीवरी बहुत मायने रखने लगी है। यह कारोबार हमारे मुख्य खाद्य व्यवसाय के साथ भी मिलता-जुलता है, जो कंपनी को लंबी अवधि में आगे बढ़ने का समर्थन करता है।

चीन ने लगाई टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रवेश पर रोक

-यह पाबंदी 1 जुलाई से होगी प्रभावी

बीजिंग।

टेस्ला कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रवेश पर चीन के तटीय जिले बैदैहे में रोक लगा दी गई है।बताया जा रहा है कि यह पाबंदी 1 जुलाई से प्रभावी होगी। दरअसल, साइट को एक सीक्रिटिव एनुअल समर पार्टी कॉन्क्लेव के लिए आरक्षित कर दिया गया है। एक स्थानीय यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह पाबंदी 1 जुलाई से प्रभावी होगी। और कम से कम दो महीने तक चलेगी। हालांकि इस कदम को उठाने के पीछे का कारणपता नहीं चल सका है। गौरतलब है कि बैदैहे अधिकारियों ने यह कदम हाल ही में चीन के सेंट्रल सिटी चेंगदू में कुछ सड़कों पर टेस्ला कारों के ड्राइविंग पर प्रतिबंध लगाने के कुछ ही हफ्तों उठाया है। इससे पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यात्रा के दौरान चेंगदू के कुछ इलाकों में टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहनों पर पाबंदी लगा दी गई थी।बीजिंग के पूर्व में बैदैहे बीच रिसॉर्ट में आगामी समर पार्टी कॉन्क्लेव चीन के वरिष्ठ नेताओं की मेजबानी करेगा। इस दौरान नेता नीतिगत विचारों पर चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र से टेस्ला कारों के बैन की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की गई है। पुलिस द्वारा कुछ क्षेत्रों से टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहनों को डाइवर्ट करने के वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने के बाद मामला प्रकाश में आया।टेस्ला कारों को चीनी सरकार या सैन्य साइटों से प्रतिबंधित किया जाना कोई नई बात नहीं है।

पिछले साल चीनी सेना ने टेस्ला कारों को अपने परिसरों में प्रवेश करने से रोक दिया था। उन्होंने टेस्ला वाहनों पर लगे कैमरों के कारण सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया था। उस समय टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा था कि कंपनी के वाहन चीन या कहीं और जासूसी नहीं करते हैं और अगर ऐसा होता है, तो इसे अभी बंद कर दिया जाए। इसके कुछ महीने बाद टेस्ला ने घोषणा की कि चीन में बेची जाने वाली कारों से जनरेट होने वाला सारा डेटा देश में स्टोर किया जाएगा।

बता दें कि टेस्ला के वाहनों कई बाहरी कैमरों के साथ आते हैं, जो इसके बाहरी हिस्से में लगाए जाते हैं। यह ड्राइवरों को पार्किंग, लेन बदलने और ऐसी अन्य सुविधाओं में सहायता करते हैं।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुए अमेरिकी बाजार

न्यूयॉर्क । भारतीय शेयर बाजारों की तरह अमेरिकी स्टॉक मार्केट में भी सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। एक बार फिर बाजार में बुल्स ने वापसी की और अमेरिकी इंडेक्स डाऊ जोन्स 2.68 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ बंद हुआ। आईटी इंडेक्स नैस्डेक में तो और मजबूती देखने को मिली और ये इंडेक्स 3.75.43 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार के` विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी बाजारों की इस तेजी का असर सोमवार को भारतीय बाजारों में भी देखने को मिलेगा। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू बाजारों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। हालांकि अभी भी बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। क्रूड ऑयल और इंफ्लेशन चिंता का विषय अभी भी बने हुए हैं।

आरबीआई ने लगाया इंडियन ओवरसीज बैंक पर 57.5 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई ।

सार्वजानिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बैंक पर 57.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह कार्रवाई कुछ मानदंडों तथा धोखाधड़ी से संबंधित नियमों का कंप्लायंस नहीं करने को लेकर की गई है। आरबीआई के अनुसार, मार्च 2020 के अंत में अपनी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के वैधानिक निरीक्षण और रिपोर्टों की जांच के आधार पर यह जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि आईओबी पता लगाने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर, एटीएम कार्ड क्लोनिंग/स्किमिंग से जुड़े धोखाधड़ी के कुछ मामलों की जानकारी देने में विफल रहा था। आरबीआई की ओर से इंडियन ओवरसीज बैंक पर जुर्माना लगाए जाने से बैंक के ग्राहकों की जमा पूंजी पर कोई असर नहीं होगा। इसका कारण यह है कि आरबीआई ने बैंक पर नियमों का पालन नहीं करने के कारण कार्रवाई की है। इसकके बाद बैंक की सेवा पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन इंश्योरेंस स्कीम के तहत बैंकों में जमा 5 लाख रुपये तक की राशि का इंश्योरेंस होता है। इस वजह से बैंक के दिवालिया होने या उसका लाइसेंस रद्द होने की स्थिति में कस्टमर्स को इतनी डिपॉजिट रकम राशि डूबने का खतरा नहीं रहता है। डीआईसीजीसी, रिजर्व बैंक की सब्सिडियरी है, जो बैंक जमा पर इंश्योरेंस कवर उपलब्ध कराती है. इससे पहले आरबीआई सेंट्रल बैंक, एसबीआई समेत कई बैंकों पर भी जुर्माना लगा चुका है। हाल ही में आरबीआई ने नियमों के उल्लंघन को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 36 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला की आकाश एयर जुलाई में भरेगी उड़ान, परीक्षण जल्द ही

नई दिल्ली ।

देश के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला द्वारा प्रमोटिड आकाश एयर अगले महीने जुलाई के अंत में आसमान में उड़ान भरने लगेगी। शुरू में आकाश एयर घरेलू उड़ानें संचालित करेगी और आगे अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू करने का इरादा कंपनी का है। आकाश के चीफ ऐ जीके यूटिव ऑफिसर विनय दुबे ने बताया कि एयरलाइन अगले सप्ताह डीजीसीए के साथ मिलकर प्रोविंग फ्लाइट शुरू करेगी। प्रोविंग फ्लाइट को टेस्टिंग फ्लाइट भी कहा जा सकता है। प्रोविंग फ्लाइट सर्टिफिकेशन मिलने के बाद एयरलाइन को एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट मिल जाएगा। इसके बाद एयरलाइन को एयरपोर्ट स्लॉट मिल जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार दुबे का कहना है कि कि एयरपोर्ट स्लॉट मिलने के बाद टिकट की बिक्री शुरू कर दी जाएगी। टिकट की बुकिंग दो-तीन सप्ताह चलेगी। दुबे ने कहा कि जुलाई के अंत में आकाश एयरलाइन का पहला विमान उड़ान भरेगा। दुबे ने कहा कि आकाश एयर खर्च कम रखने, यात्रियों को बेहतरीन सुविधाएं देने और कर्मचारियों के लिए कामकाज का बेहतर माहौल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

दुबे का कहना है कि कपनी का फोकस पहले घरेलू सेवाओं पर है। कंपनी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 2023 की दूसरी छमाही में शुरू हो जाएंगी। उनका कहना है कि आकाश एयर की सर्विस मेट्रो सिटी से टियर टू और टियर थ्री सिटी के लिए होगी। राकेश झुनझुनवाला के अलावा आकाश एयर में इंडिगो को लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले आदित्य घोष की हिस्सेदारी भी है। कंपनी का इरादा 2023 के अंत तक अपने बेड़े में 18 एयरक्रॉफ्ट शामिल करने का है। कंपनी को अपना पहला विमान मिल भी चुका है।72 बोइंग कंपनी का 737 मैक्सजेट कंपनी ने 9 बिलियन डॉलर में खरीदा है। दूबे ने बताया कि एक महीने में एक या दो विमान और बोइंग एयरलाइन को उपलब्ध करा देगी।

दूबे ने कहा कि भारतीय एविएशन सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। यहां मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले 20 सालों में भारत में 1000 विमानों की आवश्यकता होगी। नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पिछले दिनों कहा था कि भारत में मांग जिस गति से बढ़ रही है, उसे देखते हुए हर साल 120 विमानों की जरूरत भारत को होगी। भारत में तेजी से एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है और अब तो छोटे शहरों में भी हवाई अड्डे बन रहे हैं। दूबे ने कहा कि आकाश एयर का ईंधन अन्य एयरलाइन के मुकाबले 15 से 17 फीसदी ईंधन खर्च कम होगा। ऐसा इसलिए होगा के योंकि कंपनी के पास नए विमान होंगे जो सीएफएफ इंटरनेशनल के फ्यूल एफिशिएंट एलईएपी-बी1 ईंजन से लैस हैं।

आईएमएफ ने अमेरिकी ग्रोथ रेट का अनुमान घटाकर 2.9 फीसदी किया, मंदी की आशंका, भारत पर भी होगा असर?

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल होने की आशंका जताते हुए वृद्धि के अनुमान को घटाकर 2.9 फीसदी कर दिया है। इसमें बड़ा योगदान अमेरिकी केंद्रीय बैंक की आक्रामक दरों के बाद डिमांड में आई कमी का है। आईएमएफ ने साथ में यह भी कहा है कि यूएस के मंदी से बचने के आसार अब बहुत कम होते जा रहे हैं। बता दें कि अप्रैल में आईएमएफ ने अनुमान लगाया था कि 2022 में अमेरिकी जीडीपी 3।7 फीसदी की दर से वृद्धि करेगी। हालांकि, अब इसे घटाकर 2।9 फीसदी कर दिया गया है। आईएमएफ ने 2023 के लिए अमेरिकी विकास दर का अनुमान 2.3 फीसदी से घटाकर 1.7 फीसदी कर दिया है। वहीं, 2024 में इसके 0.8 फीसदी तक घटने का अनुमान है। अमेरिकी या कहें पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के नए वेरिएंट, मांग-आपूर्ति में रुकावट, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल और खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों से गहरा धक्का लगा है। पिछले साल अक्टूबर में आईएमएफ ने ही अमेरिकी विकास दर के इस साल 5.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। लेकिन तब से उपरोक्त कारकों के कारण इसमें 2 बार कमी कर दी गई है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा है कि अमेरिका के लिए मंदी से बचने का रास्ता और मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अर्थव्यसवस्था महामारी से उबर रही है लेकिन यूक्रेन में रूसी आक्रमण और चीन में लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था दबाव में आ रही है। ऐसे ही आगे भी चलता रहा तो स्थिति और कठिन हो जाएगी।' अमेरिका में वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में मंदी का अंदेशा है। हालांकि, आईएमएफ के एक अन्य अधिकारी नाइजल चॉक का कहना है कि यह मंदी बहुत कम समय के लिए और हल्की होगी। रिसर्च फर्म नोमुरा ने कहा है कि अमेरिका में मंदी से भारत के विकास पथ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। फर्म का कहना है कि भारत इकलौता एशियाई देश है जिसकी मुद्रास्फीति उसके टारगेट रेंज से अधिक है। भारत के कुल वस्तु निर्यात का 18 फीसदी अमेरिका जाता है और आईटी सेवाओं में करीब 60 फीसदी। मंदी से भारत का निर्यात प्रभावित होगा और निवेश का परिदृश्य भी बिगड़ेगा। अगर इसे ऊंची मुद्रास्फीति के साथ मिला दिया जाए तो भारत के लिए मध्यम अवधि में विकास की धीमी रफ्तार लगभग तय है।

टाटा मोटर्स ने एमिटी यूनिवर्सिटी से किया समझौता

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स ने अपने लखनऊ संयंत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) तकनीक में एम-टेक डिग्री प्रदान करने के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी के लखनऊ परिसर के साथ साझेदारी की घोषणा की। टाटा मोटर्स ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के तकनीकी कौशल को बढ़ाना है, जिससे वाहन उद्योग में व्याप्त कौशल अंतराल को पाटना और भविष्य की चुनौतियों के लिए पहले से तैयार संगठन का निर्माण करना है। कंपनी द्वारा प्रायोजित एम-टेक डिग्री प्रोग्राम ऑटोमोटिव निर्माण उद्योग के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करेगा।

भारत में बनने वाली कारों को क्रैश टेस्ट प्रदर्शन के आधार पर सेफ्टी रेटिंग मिलेगी

- मंत्री नितिन गडकरी ने न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम)शुरू करने अधिसूचना के मसौदे को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को भारत एनसीएपी (न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) शुरू करने के लिए अधिसूचना के मसौदे को मंजूरी दे दी है। इस प्रोग्राम के तहत भारत में बनने वाली कारों को क्रैश टेस्ट में उनके प्रदर्शन के आधार पर सेफ्टी रेटिंग दी जाएगी। यह रेटिंग 1 स्टार से लेकर 5 स्टार के बीच होगी। 5 स्टार रेटिंग को सबसे अच्छा माना जाएगा। भारत-एनसीएपी एक उपभोक्ता-केंद्रित मंच के रूप में काम करेगा, जिससे ग्राहक सुरक्षित वाहनों के निर्माण के लिए भारत में ओईएम के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हुए अपनी स्टार-रेटिंग के आधार पर सुरक्षित कारों का विकल्प चुन सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्रैश टेस्ट के आधार पर भारतीय कारों की स्टार रेटिंग न केवल कारों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, बल्कि भारतीय ऑटोमोबाइल के निर्यात को बढ़ाने के लिए भी बहुत जरूरी है। भारत एनसीएपी के टेस्ट प्रोटोकॉल को मौजूदा भारतीय नियमों में फैक्टरिंग ग्लोबल क्रैश टेस्ट प्रोटोकॉल के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे कंपनियां अपने वाहनों को भारत की अपनी इन-हाउस परीक्षण सुविधाओं में परीक्षण कर सकेंगे । गडकरी ने कहा कि भारत एनसीएपी भारत को दुनिया में नंबर 1 ऑटोमोबाइल हब बनाने और उद्योग को आत्मनिर्भर को बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस प्रोग्राम के तहत वाहन निर्माता कंपनियों को सेफ्टी टेस्टिंग असेसमेंट प्रोग्राम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जिससे नए कार मॉडल में उच्च सुरक्षा स्तरों को शामिल किया जा सके. वहीं इसका मकसद वयस्क और बच्चों के हिसाब से कारों को सुरक्षित बनाना, सक्रिय और निष्क्रिय सेफ्टी फीचर्स शामिल करना है। यह प्रोग्राम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले ग्लोबल एनएलएपी की तरह होगा, जिसमें नई कार मॉडलों को क्रैश टेस्टिंग के जरिए कई मानकों पर जांचा जाता है और उन्हें एस से पांच स्टार तक रेटिंग दी जाती है। हाल ही में मे हिंद्रा एक्सयूवी **Mahindr**700 को ग्लोबल एनसीएपी सेफर चॉइस पुरस्कार दिया गया है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी से ज्यादा रही तेजी

- सेंसेक्स 462 अंक की उछाल के साथ 52,727 पर बंद

- निफ्टी 142 अंक की मजबूती के साथ 15,699 पर बंद

मुंबई ।

पिछले दो सप्ताह की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी साप्ताहिक आधार पर लाभ में रहे। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 2.66 प्रतिशत चढ़ा। इससे पहले लगातार दो सप्ताह इसमें गिरावट रही थी। एनएसई निफ्टी में भी 2.64 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि ऑटो, बैंकिंग और एनर्जी कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। पिछले सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 253.69 अंक की तेजी के साथ 51,614.11 पर खुला और 237.42 अंक की बढ़त के साथ 51,597.84 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 94.75 अंकों की गिरावट के साथ 15,198.75 पर खुला और 288.65 अंक बढ़त लेकर 15,638.80 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 438.48 अंक की बढ़त के साथ 52,036.32 पर खुला और 934.23 अंक चढ़कर 52,532.07 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 139.35 अंक चढ़कर 15,489.50 पर खुला और 288.65 अंक बढ़त लेकर 15,638.80 अंक पर बंद हुआ।

धवार को सेंसेक्स 418.07 अंक गिरकर 52,114 पर खुला और 709.54 अंक की गिरावट के साथ 51,822.53 पर बंद हुआ। निफ्टी 131.1 अंक गिरकर 15,507.70 पर खुला और 225.50 अंक गिरकर 15,413.30 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 238.73 अंक की बढ़त के साथ 52,061.26 पर खुला और 443.19 अंक की बढ़त के साथ 52,265.72 पर बंद हुआ। जबकि एनएसई निफ्टी 78.1 अंक बढ़कर 15,491.40 पर खुला और 143.35 अंक चढ़कर 15,556.65 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 644.15 अंक की बढ़त के साथ 52,909.87 पर खुला और 462.26 अंक की उछाल के साथ 52,727.98 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 192.6 अंक चढ़कर 15,749.25 पर खुला और 142.60 अंक की मजबूती के साथ 15,699.25 पर बंद हुआ।

हुंदई मोटर्स 2028 तक छह इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करेगी

- किफायती कीमतों पर होंगी उपलब्ध

नई दिल्ली।

भारत में हुंदई मोटर्स 2028 तक छह इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी 512 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश करेगी। दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता ने इस साल बाजार में इलेक्ट्रिक और आईसीई पावरट्रेन विकल्पों में कई मॉडल लॉन्च करने की भी योजना बनाई है। हालांकि, हुंदई का लक्ष्य भविष्य में भारतीय बाजार के लिए कॉम्पैक्ट और सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की डिलीवरी करना है।

दुनिया भर के वाहन निर्माताओं ने भारतीय कार बाजार में विशेष रूप से इलेक्ट्रिक व्हीकल स्पेस में रुचि दिखाई है, क्योंकि देश में बिजली से चलने वाले वाहनों की लोकप्रियता बढ़ रही है। बता दें कि हुंदई के अलावा एमजी इंडिया ने भी भारत के लिए किफायती इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए एक पाइपलाइन तैयार कर ली है, और इसी तरह सिट्रोन भी किफायती इलेक्ट्रिक वाहन तैयार कर रही है।इस संबंध में हुंडई मोटर इंडिया के सेल्स डायरेक्टर तरुण गर्ग ने रॉयटर्स से कहा कि कंपनी भारतीय बाजार के लिए एक किफायती इलेक्ट्रिक व्हीकल पर काम कर रही है। टीम चार्जिंग इकोसिस्टम, सेल्स नेटवर्क, मैन्युफैक्चरिंग और असेंबली प्रोसेस जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए काम कर रही है। तरुण गर्ग ने आगे कहा कि अगर हम बाक करें इंटरनल कम्बशन इंजन वाली कारों की, तो यह हमारा बॉटम-अप अप्रोच था, जबकि इलेक्ट्रिक सेगमेंट में हम टॉप-डाउन अप्रोच अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छोटे और किफायती इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के लिए कंपनी ने 512 मिलियन डॉलर का निवेश करने का प्लान बनाया है और हयूदै 2028 तक भारत में छह इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च करने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी शुरुआत में सस्ती आयोकोनिक 5 प्रीमियम ईवी और हयूदै कोना ईवी को लॉन्च कर सकती है। उन्होंने ने आगे कहा कि हुंडई वाहनों की कीमत कम रखने के लिए सोर्सिंग और प्रोडक्शन की कॉस्ट को कंट्रोल में रखने के लिए लोकलाइजेशन को बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

फोर्ड ने जुलाई आखिर तक तमिलनाडु कारखाने में उत्पादन बढ़ाया

चेन्नई ।

प्रमुख वाहन कंपनी फोर्ड ने अपने उत्पादन को जुलाई के ओ खिर तक बढ़ा दिया है। यह पहले जून के आखिरी तक ही था। उत्पादन समयसीमा बढ़ाने का कारण कंपनी उन कर्मचारियों के साथ चर्चा जारी रखे हुए है जो कंपनी छोड़ने के एवज में दिए जाने वाले पैकेज का विरोध कर रहे हैं। शहर के बाहरी इलाके में स्थित मराईमलाई नगर में स्थित कारखाने में प्रबंधन द्वारा दिए गए मुआवजे को लेकर 30 मई से श्रमिक विरोध कर रहे हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी को कर्मचारियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कंपनी से अलग होने के लिए दिये जाने वाले पैकेज प्रस्ताव पर बातचीत के साथ-साथ उत्पादन का समर्थन करने को लेकर सहमति व्यक्त की। अधिकारी ने कहा कि 50 प्रतिशत से अधिक स्थायी कर्मचारी 14 जून से उत्पादन का समर्थन कर रहे हैं और कंपनी ने जुलाई 2022 के आखिरी तक उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। जुलाई में उत्पादन का समर्थन जारी रखने वाले सभी कर्मचारियों को वेतन सुरक्षा मिलेगी। कई कर्मचारियों ने 30 मई को फैक्ट्री में विरोध प्रदर्शन किया। कंपनी ने उत्पादन बंद करने के बाद 14 जून से दोहरी पाली में परिचालन फिर से शुरू किया।

मुरली विजय ने लगभग 2 साल बाद की क्रिकेट के मैदान पर वापसी, 8 रन बनाकर आउट हुए

चेन्नई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे टेस्ट बल्लेबाज मुरली विजय ने शुक्रवार को करीब 2 साल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। मुरली चेन्नई से करीब 700 किमी दूर स्थित तिरूनेलवेली में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में रूबी ट्रिची वारियर्स के लिए खेलने उतरे। हालांकि वह 13 गेंद में 8 रन ही बना सके और रन आउट हो गए। मुरली विजय दिनेश कार्तिक के पुराने दोस्त हैं, लेकिन बाद में निजी कारणों से उनकी दोस्ती में खटास पड़ गई। अंतिम बार सितंबर 2020 में दुबई में इंडियन प्रीमियर लीग मैच में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलने वाले 61 टेस्ट के अनुभवी मुरली विजय घरेलू क्रिकेट में भी तमिलनाडु के लिए नहीं खेले थे और न ही वह पिछले साल टीएनपीएल में खेले। वह स्थानीय टीएनसीए लीग में भी नहीं खेले थे। मुरली विजय अंतिम बार तमिलनाडु के लिए दिसंबर 2019 में रणजी ट्रॉफी में खेलते नजर आए थे। उनका भारत के लिए अंतिम टेस्ट 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में था। टीएनपीएल से पहले विजय ने कहा था मैं जितना संभव हो सके, उतने लंबे समय तक खेलना चाहता हूं। मैंने व्यक्तिगत कारणों से ब्रेक लिया था। उन्होंने कहा मैं अपने परिवार की देखभाल करना चाहता था। मैं अभी अपने क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं और मैं पूरी तरह से फिट महसूस कर रहा हूं।' मुरली विजय ने भारत के लिए 61 टेस्ट मैचों में कुल 3982 रन बनाए हैं।

आज भारत की होगी आयरलैंड से भिड़त, उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह का हो सकता हैं डेब्यू

नई दिल्ली ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 की सीरीज के बाद टीम इंडिया आयरलैंड से भिड़ने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 26 जून (रविवार) से 2 टी20 की सीरीज की शुरुआत होगी। इस दौरे के लिए टीम इंडिया में कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इसके बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट इन्हें मौका देकर अपने बेंच स्ट्रेंथ को परखना चाहेगा। लिस्ट में शामिल दो खिलाड़ी जो आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में डेब्यू कर सकते हैं, उनके नाम हैं उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह है। इन दोनों खिलाड़ियों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। लेकिन, इन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला। लेकिन, आयरलैंड दौरे के लिए कोच बनकर आए नेशनल क्रिकेट एकेडमी के चीफ वीवीएस लक्ष्मण इन दोनों गेंदबाजों को पहले टी20 में परख सकते हैं। बता दें कि, उमरान और अर्शदीप ने आईपीएल 2022 में अच्छा प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स की तरफ से अर्शदीप जसप्रीत बुमराह के बाद डेथ ओवर के दूसरे बेस्ट गेंदबाज रहे थे। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले मलिक ने अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजों से बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान किया और 22 विकेट भी झटके। हालांकि, बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद कोच राहुल द्रविड़ के एक प्लेइंग-इलेवके साथ हर मैच में उतरने के फैसले के कारण दोनों गेंदबाजों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 की सीरीज में डेब्यू का इंतजार पूरा नहीं हो सका। उमरान और अर्शदीप का यह सपना आयरलैंड के खिलाफ पूरा हो सकता है, ऐसा इसलिए क्योंकि भारत को आयरलैंड दौरे के ठीक बाद इंग्लैंड से तीन वनडे और इतने ही टी20 की सीरीज खेलनी है। इसके बाद कोच लक्ष्मण यह नहीं चाहेंगे कि इंग्लैंड के खिलाफ उतरने वाले टीम के अहम खिलाड़ी इस सीरीज में चोटिल हो जाएं। इसके बाद हर्षल पटेल, आवेश खान जैसे गेंदबाजों को आराम दिया जा सकता है और इनके स्थान पर उमरान और अर्शदीप खेल सकते हैं। हर्षल डेथ ओवर के अच्छे गेंदबाज हैं। वहीं, आवेश ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचों टी20 खेले थे। इसके बाद उनके वर्कलोड को मैनेज करना भी जरूरी है। आगे टी20 विश्व कप के अभियान में भी इन दोनों गेंदबाजों की अहम भूमिका हो सकती है। इसकारण उमरान और अर्शदीप के डेब्यू का इंतजार खत्म हो सकता है।

बल्लेबाजी में ऋतुराज गायकवाड़ की प्लेइंग-इलेवन में जगह सवालों के घेरे में हैं। द.अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में वहां अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाए। वहां एक ही अर्धशतक लगा पाए। उनके अलावा संजू सैमसन के लिए भी आयरलैंड दौरा किसी इम्तेहान से कम नहीं होगा। अगर वे इस सीरीज में रन बनाने में नाकाम रहे, तब टी20 विश्व कप की टीम में फिर उनकी जगह बनना बहुत मुश्किल होगी। राहुल त्रिपाठी भी खिलाड़ी हैं, जिन पर सबकी नजरें होंगी। हालांकि, प्लेइंग-इलेवन में उनके लिए जगह बनाना आसान नहीं है। उन्हें ऋतुराज और सैमसन के स्थान पर ही खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, मौजूदा परिस्थिति को देखते हुए यह आसान नहीं होगा। मिडिल ऑर्डर में सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या रहने वाले हैं। वहीं, मैच फिनिशर के रोल में दिनेश कार्तिक नजर आ सकते हैं।

साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज की स्टार जोड़ी सीडब्ल्यूजी में भारतीय तैराकी टीम का नेतृत्व करेगी

नई दिल्ली । साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज की स्टार जोड़ी अगले माह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) में चार सदस्यीय भारतीय तैराकी टीम का नेतृत्व करेगी। प्रकाश और नटराज के अलावा, तेजी से उभरते दिल्ली के तैराक कुशाग्र रावत और मध्य प्रदेश के अद्वैत पेज 28 जुलाई से आठ अगस्त तक बर्मिंघम में होने वाले इन खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने 2022 सीडब्ल्यूजी के लिए चार कोटा स्थान हासिल किए थे और राष्ट्रीय निकाय ने घोषणा की थी कि 2018 में गोल्ड कोस्ट सीडब्ल्यूजी में अपनी संबंधित स्पर्धाओं में छठा स्थान हासिल करने वाले तैराकों के बराबर समय निकाले वाले खिलाड़ियों को इस बार जगह देने पर विचार किया जाएगा। एसएफआई की महासचिव मोनल चौकसी ने कहा, एक साल की क्वालिफिकेशन अवधि में श्रीहरि, साजन, अद्वैत और कुशाग्र ने पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में छठे स्थान के परिणाम (समय) को हासिल किया है. एसएफआई ने यह कट ऑफ मानक तय किया है। अनुभवी प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में भारत के लिए पहले पदक की तलाश में होंगे, जिसके लिए उन्होंने छठा स्थान हासिल किया। वह इसके अलावा 50 मीटर और 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धाओं में भी भाग लेने वाले हैं। यह उनका तीसरा सीडब्ल्यूजी अभियान होगा। नटराज 50 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में भाग लेने वाले हैं। टोक्यो ओलंपिक के बाद बैंगलुरू के तैराक के लिए यह पहली बड़ी चुनौती होगी। यह 21 साल का तैराक बुडापेस्ट में चल रही विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सका है। कुशाग्र और अद्वैत ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। कुशाग्र 200 मीटर और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में भी भाग लेने वाले हैं। तैराकी स्पर्धाएं 29 जुलाई से तीन अगस्त तक होंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के मुख्य आयोजन में अब तक भारत को तैराकी में कोई पदक नहीं मिला है। दिल्ली में साल 2010 में पैरा तैराक प्रशांत कर्माकर का 50 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक भारत का इन खेलों का इकलौता पदक है।

चिली से 1-3 से हारी भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

एक्लिलेया (इटली) ।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम बेहतर प्रदर्शन के बावजूद यहां चार देशों के टूर्नामेंट के दूसरे मैच में चिली से 1-3 से हार गई। अपने शुरुआती मैच में इटली की टीम 0-7 से हारने के बाद भारतीय टीम इस मैच में उतरी थी। दोनों टीम की धीमी शुरुआत के बावजूद भारत को डिफेंडर नाकेता के प्रयास से बढ़त हासिल करने का मौका मिला, लेकिन उनकी फ्री-किक पर चिली ने गोल नहीं होने दिया। कैटरीन रामोस ने 11वें मिनट में चिली की तरफ से पहला गोल किया जबकि मैटी ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। चिली मध्यांतर तक 2-0 से आगे था। भारत दूसरे हॉफ में वापसी के लिए बेताब दिखा और नेहा के पास पर काजोल गोल करने में सफल रही। चिली की अंबर रोलिनो ने हालांकि 67वें मिनट में अपनी टीम के लिए तीसरा गोल करके भारत की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में 5 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

कोलंबो.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 मैच में मेजबान श्रीलंका को 5 विकेट से हरा दिया. इसके साथ मेहमान भारतीय टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. श्रीलंका की ओर से रखे गए 126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 19.1 ओवर में 5 विकेट पर 127 रन बनाए. भारत की ओर से ओपनर स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 39 रन की पारी खेली. कप्तान हरमनप्रीत कौर 31 रन पर नाबाद लौटीं. इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया. ओपनर विष्मी गुणारत्ने के 45 और कप्तान चामरी अटापट्टू के 43 रन के दम पर श्रीलंका ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए. श्रीलंका के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके. भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने दो विकेट चटकाए जबकि राधा यादव, पूजा वस्त्रकार और हरमनप्रीत कौर ने एक एक विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने ठोस शुरुआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी की. शेफाली वर्मा 17 रन बनाकर आउट हुईं. इसके बाद 48 के कुल स्कोर पर भारत ने अपना दूसरा विकेट एस मेघना के रूप में गंवाया. मेघना को 17 रन के निजी स्कोर पर मेजबान टीम की विकेटकीपर अनुष्का संजीविनी ने सुगंधिका कुमारी की गेंद पर स्टंप आउट किया. मंधाना को राणावीरा ने आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया. बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना शानदार लय में दिखाई दे रही थीं. उन्होंने अपनी पारी में 34 गेंदों पर आठ चौके लगाए. जेमिमा रॉड्रिग्स ने 6 गेंदों पर तीन रन बनाए. यास्तिका भाटिया को ओ राणासिंघे ने 13 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड किया. श्रीलंका की ओर से राणावीरा और राणासिंघे ने दो दो विकेट चटकाए.

संक्षिप्त समाचार

सुनील गावस्कर सहित पाकिस्तानी खिलाड़ी कनेरिया के पंत की फिटनेस पर खड़े किए सवाल

नई दिल्ली । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2-2 से समाप्त हुई टी20 सीरीज में कार्यवाहक कप्तान रहे ऋषभ पंत अपने औसत प्रदर्शन को लेकर आलोचकों के निशाने पर हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सीरीज के चार मैचों में सिर्फ 29, 5, 6 और 17 रन बनाए। सभी चार पारियों में वह एक ही तरह के शॉट खेलकर आउट हुए। आउट होने के उनके तरीके से महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर निराश होकर कहा कि इस युवा खिलाड़ी ने पहले की अपनी गलतियों से सबक नहीं सीखा। गावस्कर के बाद पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया ने पंत की फिटनेस पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कनेरिया ने कहा है कि फिटनेस सही नहीं होने के चलते पंत का शॉट सेलेक्शन सही नहीं था। उन्होंने कहा कि पंत के अलावा कप्तान रोहित शर्मा की भी फिटनेस सही नहीं है। पूर्व लेग स्पिनर ने सुझाव देकर कहा कि दोनों बल्लेबाजों को विराट कोहली से सीखकर अपने फिटनेस स्तर में सुधार करना चाहिए। कनेरिया ने कहा, पंत की फिटनेस ठीक नहीं है। मैं कहूंगा कि यह औसत दर्जे का है। टीम की फिटनेस स्टैंडर्ड में काफी बदलाव आया है। विराट कोहली ने जब कप्तानी संभाली थी, तब टीम के फिटनेस मानकों में भारी बदलाव आया, लेकिन पंत दूसरों की तुलना में पिछड़ रहे हैं। यहां तक कि रोहित शर्मा भी बहुत फिट नहीं हैं। हालांकि वह एक बल्लेबाज हैं। लेकिन पंत को अपनी फिटनेस में सुधार करना होगा क्योंकि वह विकेटकीपर हैं। इतने कम उम्र में, हमने हाल के समय में देखा है कि कैसे वह ठीक से झुक भी नहीं पाते हैं। पाकिस्तानी लेग स्पिनर ने फिटनेस को लेकर दिनेश कार्तिक का उदाहरण दिया, जोकि 37 साल उम्र में भी गजब ढहा रहे हैं। कार्तिक ने आईपीएल 2022 में करीब 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए तीन साल बाद नेशनल टीम में जगह बनाई है। कनेरिया ने कहा कि 37 साल की उम्र में कार्तिक का फिर से उभरना और फिटनेस पंत के लिए जीवन कठिन बना देगा। उन्होंने कहा, पंत की फिटनेस की उनके वजन की समस्या है। इसका असर उनके फ्लैक्सीबिलिटी पर भी पड़ता है। वह शुरुआत से ही गेंदबाजों को हिट करने की कोशिश करते हैं। मानसिक मजबूती और परिपक्वता भी फिटनेस से ही आती है।

रणजी ट्रॉफी का फाइनल देखने पहुंचे दीपक चाहर, लगे सीएसके, सीएसके के नारे

नई दिल्ली । बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई और मध्य प्रदेश के बीच रणजी ट्रॉफी का फाइनल हो रहा है। पृथ्वी शॉ के नेतृत्व वाली मुंबई की टीम ने अपनी पहली पारी में 374 रन बनाए। मुंबई के लिए सरफराज खान ने 131 रन की पारी खेली। वहीं मध्य प्रदेश ने करारा जवाब देकर खिताबी मुकाबले में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। एमपी की तरफ से यश दुबे, शुभम शर्मा और रजत पाटीदार ने शतक लगाए। यह फाइनल मुकाबला देखने टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज दीपक चाहर भी पहुंचे। इस दौरान मैदान पर मौजूद दर्शकों ने सीएसके, सीएसके के नारे लगाए। दीपक इन दिनों चोट की वजह से टीम इंडिया से बाहर हैं। वह बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं। चोट के कारण दीपक आईपीएल 2022 से बाहर हो गए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। मुंबई और मध्य प्रदेश के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल में जैसे ही दीपक मैदान पर नजर आए, तब वहां पर उपस्थित दर्शकों ने सीएसके, सीएसके के नारे लगाए। दीपक टीम इंडिया के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हैं। वह फरवरी 2022 में आखिरी बार वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज खेले थे। इस सीरीज के दौरान वह चोटिल हो गए थे. चाहर की लगातार गैरमौजूदगी के चलते हाल में बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक को पहली बार टीम में शामिल किया। इन दोनों गेंदबाजों को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम में जगह मिली है।

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर बोले- जडेजा को टी-20 विश्वकप में जगह मिलना काफी मुश्किल

नई दिल्ली ।

फटाफट क्रिकेट टी-20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के सदस्यो को लेकर कवायद जारी है। कई पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ अपनी राय रख रहे हैं, इन्हीं में से एक संजय मांजरेकर का मानना है कि रवींद्र जडेजा को टी-20 वर्ल्डकप के लिए टीम इंडिया में जगह मिलना काफी मुश्किल है। संजय मांजरेकर का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में दिनेश कार्तिक ने दिखाया है कि वह टीम इंडिया के लिए नंबर 6 या 7 पर बेहतरीन बल्लेबाजी कर सकते हैं। टी-20 इंटरनेशनल में हाल के दिनों में उन्होंने जो इम्पैक्ट क्रिएट किया है, वह शानदार है। पूर्व क्रिकेटर बोले कि रवींद्र जडेजा जैसे ऑलराउंडर के लिए टीम में जगह पाना मुश्किल होगा, जबकि अक्षर पटेल जैसे प्लेयर इसमें आगे निकल सकते हैं। संजय बोले कि अब हार्दिक पंड्या वापस आ गए हैं, दिनेश कार्तिक भी हैं और फिर मिडिल ऑर्डर में ऋषभ पंत भी हैं। लेकिन अगर रवींद्र जडेजा की बात करें तो वह इतनी आसानी से इस जगह को नहीं छोड़ेंगे। आपको बता दें कि रवींद्र जडेजा के लिए पिछले कुछ दिन बेहतर नहीं गए हैं। आईपीएल में बतौर सीएसके कप्तान उनका प्रदर्शन औसत था, बल्लेबाज-बॉलर के रूप में भी वह चमक नहीं पाए थे। इसके बाद रवींद्र जडेजा टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, अब उन्हें इंग्लैंड दौरे से काफी उम्मीदें हैं। गौरतलब है कि इस बार टी-20 वर्ल्डकप अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होना है, उससे पहले टीम इंडिया को कई टी-20 मैच और सीरीज़ खेलनी है। विश्वकप के लिए टीम इंडिया कैसी दिखेगी, उसकी झलक इंग्लैंड दौरे से दिखनी शुरू हो सकती है। मिडिल ऑर्डर और फिनिशर के रोल पर इस बार तगड़ी लड़ाई है। दिनेश कार्तिक की एंट्री ने ऋषभ पंत की चिंता बढ़ाई है, तो हार्दिक पंड्या के लौटने से रवींद्र जडेजा के प्लेइंग-11 में खेलने पर सवाल खड़े हुए हैं।

पीसीबी चेयरमैन रमीज राजा ने बर्खास्त किये जाने की खबरों का किया खंडन

लाहौर । पाकिस्तान की सियासत बदलने पर यहां के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मुखिया रमीज राजा भी प्रभावित हो सकते हैं हालांकि परोक्ष रूप से कहा कि वह शीर्ष पद पर बने रहना चाहते हैं। हालांकि लंबे समय से अटकलें चल रही हैं कि ऐसी संभावना है कि सरकार उन्हें बर्खास्त कर सकती है। अटकलों के हिसाब से प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ जल्द ही रमीज की जगह पीसीबी चेयरमैन पर अपनी पसंद का व्यक्ति लाएंगें। शाहबाज ने हाल में बोर्ड के तीन पूर्व चेयरमैन के साथ क्रिकेट के मामलों को लेकर बैठक भी की थी जिससे अटकलों का दौर और गर्मा गया कि रमीज को हटा दिया जायेगा। रमीज ने कहा, 'अब दो महीने हो गये हैं और हम अटकलों पर नहीं रह सकते। अगर कुछ होना होता तो अभी तक हो गया होता। जब तक आप किसी को लगातार काम नहीं करने दोगे, पाकिस्तान क्रिकेट में कुछ सुधरने वाला नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इसमें यहां अहं का कोई मुद्दा नहीं है, हम पाकिस्तान क्रिकेट को सुधारना चाहते हैं। अगर संविधान बदलाव करने की अनुमति देता है तो ठीक है लेकिन परंपरा के कारण आपको अच्छे काम को खत्म नहीं करना चाहिए।'

वकार यूनुस के कारण मेरा करियर बर्बाद हुआ, अहमद शहजाद का बड़ा आरोप

कराची।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिताबी बल्लेबाज अहमद शहजाद लंबे अंतराल से टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्हें करीब 3 साल पहले टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। उसके बाद से उनकी सुध नहीं ली गई। उन्हें जब टीम से बाहर किया गया तो उस समय शहजाद आउट ऑफ फॉर्म होने के अलावा चोटिल थे। शहजाद साल 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान के लिए खेले थे। वह साल 2017 के बाद से टेस्ट और वनडे मैच नहीं खेले हैं। उन्होंने टीम से बाहर किए जाने पर अब बयान दिया है। अहमद शहजाद का कहना है कि वकार यूनुस के चलते उनका करियर बर्बाद हुआ। साल 2016 में वकार यूनुस ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसमें कहा गया कि उमर अकमल और अहमद शहजाद को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। जिसके चलते वे टीम में अपना स्थान फिर से हासिल कर सकें। शहजाद पूर्व कोच वकार की इन टिप्पणियों से नाराज थे। उनका माना था कि इस तरह की चर्चा आमने-सामने की जाए। ऐसा करने के लिए उन्होंने पूर्व मुख्य कोच को चुनौती दी। एक इंटरव्यू में अहमद शहजाद ने कहा, 'मैंने स्वयं वह रिपोर्ट नहीं देखी। लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने मुझे बताया कि यह टिप्पणी मेरे बारे में की गई है। लेकिन मेरा मानना है कि इस तरह की बातों पर आमने-सामने चर्चा होनी चाहिए। मैं उन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हूं। फिर हम देखेंगे कि कौन सही है और कौन गलत। उनकी वजह से मेरा करियर बर्बाद हुआ। यह एक पूर्व नियोजित तरीका था। वह एक तीर से दो शिकार करना चाहते थे।' 30 वर्षीय क्रिकेटर अहमद शहजाद ने सीनियर खिलाड़ियों द्वारा समर्थन नहीं किए जाने पर निराशा व्यक्त की। उनका कहना है कि विराट कोहली ने करीब उसी समय पदार्पण किया था। वह एमएस धोनी की मार्गदर्शन में आगे बढ़े। जबकि उनके करियर में गिरावट आई। शहजाद के मुताबिक, 'मैंने यह पहले भी कहा है और इसे फिर से कहूंगा। विराट कोहली का करियर आगे बढ़ा। क्योंकि उन्होंने एमएस धोनी को पाया। लेकिन दुर्भाग्य से पाकिस्तान में लोग आपकी सफलता को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमारे सीनियर खिलाड़ी और पूर्व क्रिकेटर किसी को सफल होते देखकर पचा नहीं सकते। जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।'

शुभम ने 9 साल में सिर्फ 2 शतक बनाए, इस बार एक ही सीजन में 4 शतक लगाकर दिखाई ताकत

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश और मुंबई के बीच बैंगलुरू में रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेला जा रहा है। मुंबई के 374 रन के जवाब में मध्य प्रदेश ने टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों ने दमदार खेल दिखाया और मैच के तीसरे दिन मुंबई को बैकफुट पर ढकेल दिया। इसमें दो बल्लेबाजों की अहम भूमिका रही है। एक यश दुबे और दूसरे शुभम शर्मा। इन दोनों ने मुंबई के गेंदबाजों की जमकर धुलाई की और शतकीय पारी खेलते हुए मध्य प्रदेश को तीसरे दिन मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। शुभम 116 रन बनाकर आउट हो गए।

यह रणजी ट्रॉफी फाइनल का तीसरा शतक है। उनसे पहले मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान और मध्य प्रदेश के ओपनर यश दुबे ने शतक लगाया था। शुभम ने 2013 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। बीते 9 साल में उन्होंने सिर्फ 2 शतक लगाए थे। जबकि इस सीजन में वो चार सेंचुरी जमा चुके हैं। इससे पहले, मध्य प्रदेश को पहला झटका हिमांशु मंत्री के रूप में लगा था। वह 31 रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद शुभम शर्मा ने दूसरे ओपनर यश दुबे के साथ दूसरे विकेट के लिए 222 रन की अहम साझेदारी की और मध्य प्रदेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

शुभम ने 215 गेंद में 116 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया। उनकी पारी की बदौलत मध्य प्रदेश ने तीसरे दिन का खेल 368/3 के स्कोर पर खत्म किया। मध्य प्रदेश मुंबई से सिर्फ 6 रन पीछे है। शुभम शर्मा ने इस सीजन में शानदार बल्लेबाजी की है। अगर मध्य प्रदेश रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेल रहा है तो उसमें इस 28 साल का बल्लेबाज का अहम रोल है। शुभम इस सीजन में एक-दो नहीं, बल्कि चार शतक ठोक चुके हैं। फाइनल में उन्होंने सीजन की चौथी सेंचुरी लगाई है। इससे पहले, शुभम ने पंजाब के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 102 रन बनाए थे। वहीं, मेघालय के खिलाफ 111 और गुजरात के खिलाफ भी उन्होंने शतकीय पारी खेली थी। फाइनल में उनका इस सीजन का यह चौथा शतक है। अगर विजय हजारे ट्रॉफी को भी जोड़ लें तो शुभम ने इस सीजन में पांच अर्धशतक भी जड़े हैं।

बुडापेस्ट हंगरी में फिना तैराकी विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद खुशी मनाती अमेरिका की केटी लेडेकी। साथ में हैं रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया की किआ मेलवर्टन और कांस्य पदक विजेता इटली की सिमोना क्वाडरेला।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया के इस खूबसूरत गांव में मौजूद है फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं, फिर भी नहीं है कोई रहने वाला

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कुछ ऐसी ही एक जगह है उत्तर कोरिया का किजोंग-डोंग गांव। खूबसुरती के मामले में इस गांव का कोई तोड़ नहीं है, लेकिन यहां पर कोई रहने वाला ही नहीं है। हालांकि, इस गांव में आलीशान इमारतें, साफ-सुथरी सड़कें, पानी की टंकी, बिजली, स्ट्रीट लाइट समेत तमाम तरह की सुविधाएं हैं।

किजोंग-डोंग गांव साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के मिलिट्रीरहित जोन में स्थित है। साल 1953 में कोरियन वॉर के बाद हुए युद्ध विराम के दौरान इस गांव को बनाया गया था। कई लोग इस गांव को प्रोपगैंडा विलेज कहते हैं। लोगों का ये मानना है कि इस गांव का निर्माण इसलिए कराया गया ताकि उथ कोरिया में रह रहे लोगों को ऐसा लगे कि यहां के लोगों की लाइफ काफी लग्जरी है।

किजोंग-डोंग का इतिहास

किजोंग-डोंग गांव के निर्माण का किस्सा भी काफी रोचक है। दरअसल, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच जब कोरियाई युद्ध की अनौपचारिक समाप्ति हुई, उसी समय इस गांव का निर्माण हुआ। तीन साल तक चले इस युद्ध में 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस दोनों देशों को अलग करने वाले क्षेत्र को डिमिलिट्राइज एरिया के रुप में जाना जाता है। युद्ध के दौरान दोनों देशों ने यहां से अपने नागरिकों को हटा दिया था। युद्ध विराम की घोषणा के समय यह तय किया गया कि दोनों देश सीमा पर सिर्फ एक ही गांव को बरकरार रख सकते थे या फिर नया गांव बसा सकते थे। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने अपनी सीमा में मौजूद फ्रीडम विलेज के रुप में जाना जाने वाला डाइसॉन्ग-डोंग को बरकरार रखा। यहां पर करीब 226 लोग रहते हैं। इतना ही नहीं इस गांव के लोगों को विशेष पहचान पत्र दिया गया है और रात 11 बजे के बाद कर्फ्यू लग जाता है।

दूसरी तरफ उत्तर कोरिया ने पीस विलेज के रुप में एक नया गांव किजोंग-डोंग का निर्माण करवाया। इस गांव को लेकर उत्तर कोरिया का ये दावा है कि यहां पर 200 निवासी हैं। बच्चों के लिए किंडरगार्टन, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के अलावा यहां रह रहे लोगों के लिए अस्पताल भी है। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह गांव एकदम सुनसान है और यहां कोई नहीं रहता है। लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए रोजाना घरों में लाइट जलाई जाती हैं और सड़कों पर सफाईकर्मी झाड़ू लगाते नजर आते हैं। लेकिन इस गांव में रहने वाले लोग नहीं दिखाई देते हैं।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी पंख

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

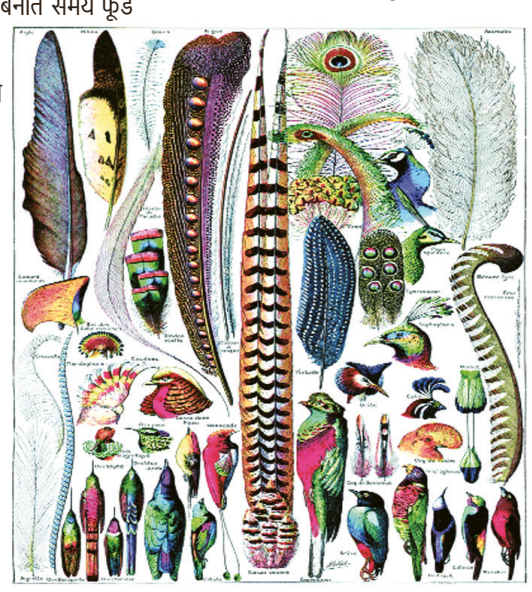

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया।

दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है ।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर सुरक्षित ठिकानों की ओर बढ़ रही है यूक्रेन की सेना

कीव। कई सप्ताह की भीषण लड़ाई के बाद यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर अपने गढ़ माने जाने वाले इलाकों की ओर जाना शुरू कर दिया है। यूक्रेन की सेना के एक क्षेत्रीय अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के लुहांस्क क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र माने जाने वाले सिविएरोदोनेत्स्क शहर पर रूसी सेना की भीषण बमबारी के कारण औद्योगिक शहर के अधिकतर इलाके तबाह हो चुके हैं। रूसी हमले से पहले शहर की आबादी करीब 10 लाख थी, जो अब घटकर मात्र 10 हजार रह गयी है। बड़ी संख्या में लोग शहर से पलायन कर चुके हैं। सिविएरोदोनेत्स्क शहर के बाहरी इलाके में बने विशाल अज़ोत रासायनिक कारखाने की ओर लौटने से पहले यूक्रेन के सैनिकों ने रूसी सेना का डटकर मुकाबला किया। यूक्रेन के सैनिकों ने शहर के भूमिगत ठिकानों में रहकर रूसी सेना का मुकाबला किया। इन ठिकानों में करीब 500 आम लोगों ने भी शरण ली हुई थी। हाल के दिनों में यूक्रेनी सेना को घेरने के प्रयास में रूसी सैनिकों ने सिविएरोदोनेत्स्क और पड़ोसी शहर लिसिचन्स्क के अधिकतर इलाकों पर कब्जा कर लिया है। रूस ने पूरे डोनबास क्षेत्र पर कब्जा करने के उद्देश्य से सिविएरोदोनेत्स्क और लिसिचन्स्क शहर को प्रमुख रूप से निशाना बनाया था और इन दोनों ही शहरों पर भीषण हमले हुए थे। डोनबास के लुहांस्क क्षेत्र का 95 प्रतिशत इलाका रूस के कब्जे में आ चुका है। इसके अलावा, डोनबास के दूसरे प्रांत दोनेत्स्क के आधे हिस्से पर भी रूसी सेना और अलगाववादियों का अधिकार हो चुका है।

मुंबई हमले के साजिशकर्ता को पाकिस्तान में लगभग 15 साल की सजा

लाहौर। पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने 2008 के मुंबई हमले के एक साजिशकर्ता को आतंकवाद के वित्तपोषण के एक मामले में 15 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई है। लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा के नेताओं के आतंकवाद वित्तपोषण के मामलों से जुड़े एक वरिष्ठ वकील ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''इस महीने की शुरुआत में लाहौर में एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े साजिद मजीद मीर को 15 साल की जेल की सजा सुनाई है।'' पंजाब पुलिस का आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी), जो मीडिया को ऐसे मामलों में दोषसिद्धि की जानकारी साझा करता है, ने आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में मीर की दोषसिद्धि की सूचना नहीं दी थी।

भारत ने छात्रों को वीजा देने में लंबी देरी के मुद्दे को कई देशों के समक्ष उठाया

नयी दिल्ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी और कई अन्य देशों के समक्ष कॉलेज परिसरों में कक्षाओं को बहाल कराने की मांग कर रहे भारतीय छात्रों को वीजा दिए जाने में लंबे समय से हो रही देरी के मुद्दे को उठाया। सूत्रों ने बताया कि हजारों भारतीय छात्र ऑफलाइन कक्षाएं लेने के लिए इन देशों में लौटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि संबंधित दूतावासों द्वारा उन्हें वीजा दिए जाने में काफी देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष ने इस मुद्दे को मजबूती से उठाया तथा वीजा आवेदनों का तेजी से निपटारा करने की मांग की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने चर्चा को ''सार्थक'' बताया। उन्होंने ट्वीट किया, ''ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चेक गणराज्य, जर्मनी, न्यूजीलैंड, पोलैंड, ब्रिटेन तथा अमेरिका के साथ काम कर रहे विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों को छात्र वीजा देने के बारे में इन देशों के वरिष्ठ राजनयिकों/मिशनों के प्रमुखों के साथ सार्थक चर्चा की।'' उन्होंने कहा, ''वे इस प्रक्रिया को आसान बनाने तथा उसमें तेजी लाने पर बातचीत करने पर सहमत हुए क्योंकि छात्रों की आवाजाही परस्पर रूप से लाभकारी रही है।

भारत के साथ 'परिणाम-उन्मुख' बातचीत चाहते हैं लेकिन माहौल अनुकूल नहीं : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत के साथ ''परिणाम-उन्मुख'' वार्ता करना चाहेगा लेकिन इस तरह की वार्ता के लिए ''माहौल'' अनुकूल नहीं है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता आसिम इफ्तिखार अहमद ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की हाल की टिप्पणियों के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम सामान्य संबंध चाहते हैं लेकिन आतंकवाद के लिए सहिष्णुता की सीमा बहुत कम है। हमारे विरोधी की पसंद के अनुसार शांति और युद्ध नहीं हो सकता, हम यह फैसला लेंगे कि कब, किसके साथ और किन शर्तों पर बातचीत करनी है।'' प्रवक्ता ने कहा कि भारत समेत पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना और ''परिणाम-उन्मुख तथा सार्थक बातचीत'' के जरिए सभी मुद्दों को हल करना पाकिस्तान का आधिकारिक रुख है, जिससे खासतौर से जम्मू कश्मीर विवाद जैसे मुद्दों पर प्रगति हो सकती है।

बांग्लादेश के सबसे लंबे 'पद्मा' पुल को पीएम शेख हसीना ने जनता को किया समर्पित

ढाका । बांग्लादेश के की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को देश के सबसे लंबे पुल का उद्घाटन करते हुए उसे जनात को समर्पित किया। पुल पूरी तरह से देश के धन से निर्मित हुआ है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पद्मा पुल केवल ईंट और सीमेंट का ढेर नहीं, बल्कि बांग्लादेश के गौरव, क्षमता और शान का प्रतीक है। पद्मा नदी पर बने इस पुल की लंबाई 6.15 किलोमीटर है और यह दक्षिण पश्चिमी बांग्लादेश को राजधानी तथा देश के अन्य भागों से जोड़ता है। इस बहुद्देशीय सड़क-रेल पुल के निर्माण का खर्च, तीन अरब 60 करोड़ डॉलर है, जिसे पूरी तरह बांग्लादेश सरकार ने वहन किया है। हसीना ने पद्मा पुल के निर्माण से जुड़े लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पद्मा पुल का उद्घाटन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरी तरह घरेलू खर्च से निर्मित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि जिन्होंने पद्मा पुल की निर्माण योजना का विरोध किया और उसे 'पाइप ड्रीम' बताया, उनके भीतर आत्मविश्वास की कमी थी। मुझे उम्मीद है कि यह पुल उनके अंदर विश्वास पैदा करेगा। उन्होंने कहा, यह पुल केवल ईंट, सीमेंट, लोहे और कंक्रीट का ढेर नहींज यह पुल हमारा गौरव है, यह हमारी क्षमता, शक्ति और शान का प्रतीक है। यह पुल बांग्लादेश के लोगों का है। इस बीच, भारतीय उच्चायोग ने इस परियोजना के पूरा होने पर बांग्लादेश सरकार को बधाई दी।

खाद्य और पेय उद्योग से संबंधित प्रतिष्ठित सूची में चार भारतीयों का नाम

बिलबाओ । वैश्विक खाद्य एवं पेय पदार्थ उद्योग में स्थायी समाधान तलाशने वाले दुनिया के शीर्ष 50 अगली पीढ़ी के व्यक्तियों की प्रतिष्ठित सूची में चार युवा भारतीयों का नाम शामिल किया गया है। स्पेन के बिलबाओ शहर में पहली बार पुरस्कार समारोह का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें '50 नेक्स्ट- क्लास ऑफ 2022' की सूची जारी की गई। इस सूची में दिल्ली में निवासी फोरेंसिक वैज्ञानिक डॉ. रिशा जैस्मीन नैथन, बेंगलुरु निवासी विनेश जॉनी और अनुषा मूर्ति तथा मुंबई की निवासी निधि पंत का नाम शामिल है। सिंगापुर में जन्मे भारतीय मूल के खाद्य उद्यमी त्रविंदर सिंह भी अपने खाद्य स्टार्ट-अप आइडिया के लिए शीर्ष 50 में शामिल हैं। इनका चयन छह महाद्वीपों के 30 क्षेत्रों में 400 से अधिक उम्मीदवारों में से किया गया है। यह सूची '50 नेक्स्ट ग्रुप और अकादमिक पार्टनर बास्क कलिनरी सेंटर (बीसीसी) के शोध पर आधारित है, जिसका मुख्यालय बास्क देश के सैन सेबेस्टियन में है, जो उत्तरी स्पेन का एक स्वायत्त क्षेत्र है। बीसीसी के महाप्रबंधक जोक्स मारी आइजेगा ने कहा, 50 नेक्स्ट विभिन्न प्रकार की हस्तियों को दर्शाती है, जो पाक कला क्षेत्र के वर्तमान और भविष्य को आकार देते हैं।

श्रीलंका में लोगों के पास विदेशी मुद्रा की सीमा घटाई

कोलंबो । विदेशी मुद्रा के गहरे संकट से जूझ रहे श्रीलंका में एक व्यक्ति के पास रखी जाने वाली विदेशी मुद्रा की सीमा घटा दी गई है। एक व्यक्ति के पास अधिकतम 10,000 डॉलर की विदेशी मुद्रा ही रह सकती है। श्रीलंका सरकार ने कहा कि श्रीलंका में रहने वाले या वहां के किसी व्यक्ति द्वारा अपने कब्जे में रखी गई विदेशी मुद्रा की मात्रा को 15,000 अमेरिकी डॉलर से घटाकर 10,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। श्रीलंका सरकार ने खाद्य और ईंधन सहित जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए जरूरी विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखने के मकसद से यह सीमा लागू की है। गंभीर विदेशी मुद्रा संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को अप्रैल में अपने अंतरराष्ट्रीय ऋण की चूक के लिए मजबूर होना पड़ा था।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट से ऐतिहासिक गर्भपात के मामलों को पलटने का निर्णय आने के बाद वाशिंगटन में जश्न मनाते स्थानीय लोग।

ब्रिक्स देशों को एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को समझना चाहिए: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में कहा है कि सदस्य देशों को एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को समझना चाहिए और आतंकवादियों को नामित करने में परस्पर सहयोग प्रदान करना चाहिए। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस संवेदनशील मुद्दे का ''राजनीतिकरण'' नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह टिप्पणी चीन द्वारा संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी के रूप में नामित करने के भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव को अवरुद्ध करने के कुछ दिनों बाद आई है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर शुक्रवार को संपन्न हुए दो दिवसीय ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के सुझावों और टिप्पणियों का विवरण प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि ब्रिक्स सदस्य के रूप में हमें एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को समझना चाहिए और आतंकवादियों को नामित करने में आपसी समर्थन प्रदान करना चाहिए। इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।''

जिनपिंग का मोहरा बना नॉर्थ कोरिया, किम जोंग की हिट लिस्ट में जापान और दक्षिण कोरिया

सियोल। (एजेंसी)।

जिनपिंग सुपर पावर से सीधी टक्कर लेने से बचते हैं। उसके बजाय वह अपने दोस्त देशों की मदद से अमेरिका को उलझाए रहते हैं। किम जोंग जिनपिंग का ऐसा ही एक मोहरा है जो सुपरपावर को आंखें दिखाता है। अमेरिका के लाख मना करने पर भी किम परमाणु धमाके करता है। किम जोंग की हिट लिस्ट में जापान और दक्षिण कोरिया है।

4 जुलाई 2017 को कुसांग में किम जोंग ने अपने सबसे करीबी मिलिट्री ऑफिसर के साथ में मीटिंग किया। कुछ ही देर बाद सायरन बजा और उल्टी गिनती चालू हो गई। आग के शोलों को छोड़ती मिसाइल आसमान का सीना चीरते हुए अंतरिक्ष से बातें करने लगी। जमीन से 25 100 किलोमीटर दूरी पर यह मिसाइल गरज रही थी। फिर एक ब्लास्ट हुआ। यह नॉर्थ कोरिया का पहला इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल टेस्ट था। जिस जगह पर ब्लास्ट हुआ वह जापान का स्पेशल इकोनामिक जोन था। गद्दी संभालने के 5 साल बाद क्यों जाऊंगा खुला ऐलान था यह कि वो अपने पिता और दादा से भी ज्यादा खूंखार हैं। अमेरिका को पता था कि नॉर्थ कोरिया के पास ना बैलेस्टिक मिसाइल कि तकनीक है न ही नेकलेस साइंटिस्ट का नेटवर्क। लेकिन फिर भी चीन प्रायोजित निकले प्रोग्राम की मदद से इन लोगों ने सफल परीक्षण कर लिया। जिसके पीछे की वजह किम जोंग की अदावत दक्षिण कोरिया से है और चीन सदियों से जापान को अपना जानी दुश्मन मानता है।

जापान और दक्षिण कोरिया में गहरे रिश्ते हैं इसलिए ड्रैगन के कहने पर किम जोंग ने जापान को डराने के लिए मिसाइल छोड़ी प्रणाम एक वह दिन था और एक आज का दिन है ना जाने कितनी बार सी ऑफ जापान में किम जोंग मिसाइल दाग चुका है। 29 जून 1960 अमेरिका और जापान के बीच एक संधि हुई जिसके मुताबिक जापान पर कोई विदेश हमला करता है तो अमेरिका जंग में उतर जाएगा। इसलिए अब तक ना तो चीन और ना ही नॉर्थ कोरिया जापान पर हमले की जुर्रत कर पाया है।

बाइडन ने महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करने का संकल्प जताया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

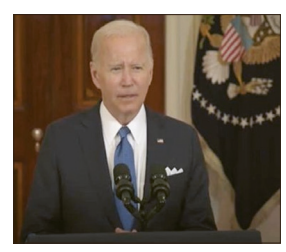

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह उन राज्यों में गर्भपात संबंधी नियमों के मद्देनजर महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए अपनी ''क्षमतानुसार'' हरसंभव प्रयास करेंगे, जहां इन्हें प्रतिबंधित किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय द्वारा गर्भपात के लिए संवैधानिक सुरक्षा को खत्म करने के बाद बाइडन का यह बयान सामने आया है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने कई साल पहले रो बनाम वेड मामले में दिए गए फैसले को पलटते हुए गर्भपात के लिए संवैधानिक संरक्षण को समाप्त कर दिया है। शुक्रवार को हुए इस घटनाक्रम से लगभग आधे राज्यों में गर्भपात पर प्रतिबंध लगने की संभावना है। बाइडन ने कहा कि राजनेताओं को उन फैसलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी जोकि एक महिला और उसके चिकित्सक के बीच होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अदालती फैसले को ''गलत'' करार दिया है। उन्होंने गर्भपात के लिए संवैधानिक सुरक्षा की वकालत करने वालों से अपील की कि वे केवल शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन करें। बाइडन ने व्हाइट हाउस से संबोधित करते हुए कहा, ''आज का दिन अदालत और देश के लिए एक दुखद दिन है।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह स्पष्ट कर दूं कि पूरे देश में महिलाओं का स्वास्थ्य और जीवन अब खतरे में है।'' बाइडन ने कहा कि अदालत ने कुछ ऐसा किया है जो पहले कभी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अदालत ने अमेरिकी जनता को अचानक एक संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया। इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय के फैसले की सराहना की।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को चीन ने फिर दिया 2.3 अरब डॉलर का नया कर्ज

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

आर्थिक रूप से कंगाली के कगार पर पहुंच चुके पाकिस्तान को चीन ने 2.3 अरब डॉलर का नया कर्ज दिया है। पाकिस्तानी वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने कहा कि चीनी बैंकों के एक संघ से 2.3 बिलियन डॉलर का कर्ज स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के खाते में जमा किया गया है। चीन के इस कर्ज से पाकिस्तान के घटते विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 15 अरब आरएमबी (करीब 2.3 अरब डॉलर) के चीनी कंसोर्टियम का कर्ज आज स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के खाते में जमा कर दिया गया है, जिससे हमारे विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है।

चीन के लॉकडाउन से टेस्ला को हो रहा अरबों का नुकसान

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

चीन में कोरोना का कहर लगातार बढ़ रहा है जिसके चलते यहां लॉकडाउन लगाना पड़ा जिसके चलते उद्योग धंधे खासे प्रभावित हो रहे हैं। टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को चीन के लॉकडाउन से अरबों का नुकसान हो रहा है। एलन मस्क ने कहा कि जर्मनी और अमेरिका में टेस्ला की नई फैक्ट्रियों को चीन में बैट्री की कमी और आपूर्ति के कारण अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है। एलन मस्क ने अपनी दोनों फैक्ट्रियों को पैसा जलाने वाली भट्टियां बताया। चीन में कोरोना वायरस के फैलते हुए प्रकोप के कारण इस साल सख्त लॉकडाउन लगाए गए। चीन की औद्योगिक राजधानी कहे जाने वाले शंघाई शहर में कोविड-19 के कारण जीरो कोविड पॉलिसी के चलते सख्त लॉकडाउन लागू किया गया। शंघाई में ही टेस्ला की एक बड़ी फैक्ट्री है। लॉकडाउन के कारण यहां निर्माण कार्य पूरी तरह कठिन हो गया। शंघाई की फैक्ट्री में टेस्ला कार की बैट्री और कार का निर्माण किया जाता है। इस फैक्ट्री में एक दिन में 2500 कार बनाने की क्षमता है। हाल के हफ्तों में एलन मस्क ने छंटनी की भी चेतावनी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने कहा, 'बर्लिन (जर्मनी) और ऑस्टिन (अमेरिका) की फैक्ट्री पैसा जलाने वाली बड़ी-बड़ी भट्टियां हैं। यहां पर सिर्फ पैसा जलने का आवाज सुनाई देती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस समय इन प्लांट्स में अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है। इन फैक्ट्रियों के लिए बड़ा खर्च हो रहा है और शायद ही कुछ उत्पादन हो।' एलन मस्क ने कहा कि इस साल की शुरुआत में खोली गईं गीगाफैक्ट्रियां उत्पादन बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऑस्टिन में टेस्ला साइट वर्तमान में छोटी संख्या में कारों का उत्पादन करती है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी बैट्रियों के कुछ हिस्से चीन के बंदरगाह पर फंस गए हैं और उन्हें वहां से लाने वाला कोई नहीं है।

मोरक्को : स्पेन में घुसने के लिए मची भगदड़ में 18 प्रवासियों की मौत

रबात। (एजेंसी)।

स्पेन में घुसने की कोशिश के दौरान देश के उत्तर अफ्रीकी एन्क्लेव मेलिला से सटी मोरक्को की सीमा पर शुक्रवार को बाड़ के पास मची भगदड़ में कम से कम 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों पुलिसकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। मोरक्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुल 133 प्रवासी शुक्रवार को मोरक्को के नाडोर शहर और मेलिला के बीच की सीमा को पार करने में सफल रहे। पिछले महीने स्पेन और मोरक्को के बीच राजनयिक संबंधों में सुधार के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोगों के सीमा पार करने की घटना सामने आई है।

मेलिला में स्पेन सरकार के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 2,000 लोगों ने सीमा पार करने का प्रयास किया, लेकिन कई को स्पेनिश सिविल गार्ड पुलिस और मोरक्को के सुरक्षाबलों ने बाड़ के दोनों ओर रोक दिया। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि लोहे की बाड़ पर चढ़ने की कोशिश के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे पांच प्रवासियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 76 प्रवासी और मोरक्को के 140 सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए।

मोरक्को की आधिकारिक समाचार एजेंसी एमएपी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घायल प्रवासियों में से 13 की बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो पर पहुंच गई। हालांकि, मोरक्को के मानवाधिकार संघ ने घटना में 27 लोगों की मौत होने का दावा किया है। वहीं, स्पेन के अधिकारियों ने कहा कि 49 सिविल गार्ड्स को मामूली चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि कुछ प्रवासियों ने पत्थर फेंके, जिससे पुलिस के चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों के अनुसार, जो लोग सीमा पार करने में सफल रहे, वे एक स्थानीय प्रवासी केंद्र पहुंचे, जहां प्राधिकारी उनकी परिस्थितियों का मूल्यांकन करने में जुटे हैं। गरीबी और हिंसा की वजह से अफ्रीका से पलायन करने वाले लोग कभी-कभी यूरोप में घुसने के लिए बड़े पैमाने पर उत्तरी अफ्रीकी तट, मेलिला और स्पेन के अन्य क्षेत्रों तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

प्रवासियों को सीमा से दूर रखने के लिए स्पेन ज्यादातर मोरक्को पर निर्भर रहा है। स्पेन के अधिकारियों के मुताबिक, मार्च की शुरुआत में दो दिनों में 3,500 से अधिक लोगों ने मेलिला में लगे छह मीटर ऊंचे अवरोधक को पार करने की कोशिश की थीऔर लगभग 1,000 इसे पार करने में सफल भी रहे थे। मार्च में स्पेन और मोरक्को के बीच संबंधों में सुधार के बाद शुक्रवार को प्रवासियों द्वारा सीमा लांघने का यह पहला प्रयास था।

1971 में भारतीय सेना के सामने सरेंडर का जिक्र कर टीटीपी ने पाकिस्तान को याद दिलाई उसकी औकात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने भारतीय सेना के सामने 1971 के आत्मसमर्पण के लिए पाकिस्तानी सेना का मजाक उड़ाया है। पाकिस्तानी सेना पर टीटीपी का हमला पाकिस्तान के कानून मंत्री के उस बयान के जवाब में आया है जिसमें कहा गया था कि अगर शांति वार्ता सफल होती है तो वे तालिबान आतंकवादियों को फिर से हथियार उठाने की अनुमति नहीं देंगे। पलटवार करते हुए पाकिस्तान तालिबान ने पाक सेना और राजनेताओं को 'गुलाम' कहा और स्पष्ट किया कि वे पाकिस्तान के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे।

बता दें कि साल 1971 की जंग में पाकिस्तान को भारत के हाथों हार मूली थी। भारत से बुरी तरह पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपनी हार मान ली थी। उस वक्त पाकिस्तान के 80 हजार से ज्यादा सैनिकों ने भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने भारतीय सेना प्रमुख के सामने सरेंडर के कागजात पर हस्ताक्षर किये थे।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने कहा है कि वह टीटीपी के किसी भी असंवैधानिक मांगों को स्वीकार नहीं करेगी। इतना ही नहीं, इस खूंखार आतंकवादी संगठन के साथ शांति समझौता पाकिस्तानी संविधान के अनुसार सख्ती से होगा। इसको संसद से आम मंजूरी मिलने के बाद भी लागू किया जाएगा। पिछले कई हफ्तों में अफगानिस्तान में पाकिस्तान के प्रतिनिधियों और प्रतिबंधित टीटीपी के बीच कई बैठकें हुई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमरनाथ यात्रा के लिए इस साल की जा रही अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था : अधिकारी

श्रीनगर। इस साल अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को अधिक खतरा होने की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा बलों ने सुरक्षा की अभूतपूर्व व्यवस्था की है। थलसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यात्रा के दौरान आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने की विश्वसनीय सूचना मिलने के मद्देनजर इस बार पहले से तीन से चार गुना अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जा रही है। उन्होंने कहा, ''इस साल अमरनाथ यात्रा को खतरा अधिक है। आम तौर पर हमें हर साल यात्रा को आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाए जा सकने की सूचना मिलती है, लेकिन इस बार ऐसी जानकारी अधिक है।'' अधिकारी ने बताया कि प्रशासन को इस बार श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहने की उम्मीद है क्योंकि गत चार साल में यह पहली यात्रा हो रही है। उन्होंने बताया कि इससे पहले वर्ष 2019 में अमरनाथ यात्रा केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को हटाने की वजह से बीच में ही रोक दी गई थी जबकि वर्ष 2020 और 2021 में कोविड-19 महामारी की वजह से यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि इन तथ्यों पर भी गौर करने के बाद सुरक्षा तैयारियां की जा रही हैं। अधिकारी ने कहा, 'हमे उम्मीद है कि यात्रियों की संख्या दो से तीन गुना तक अधिक होगी। इसके मद्देनजर बहुत सारी तैयारियां की गई हैं। यात्रा को सुचारु तरीके से संपन्न कराने के लिए जमीन पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पूर्व के मुकाबले तीन से चार गुना अधिक की गई है।''

सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद फर्जी आधार कार्ड से हरियाणा के सांवरिया होटल में रुके थे शूटर्स

फतेहाबाद। पंजाबी गायक सिद्धू मुसेवाला की हत्या के बाद हर दिन नए खुलासे हो रहे है। अब खबर है कि 29 मई को मानसा से सभी शूटर अलग-अलग मार्ग से फरार हुए थे। इनमे से 2 शूटरों समेत कुल 4 लोग मानसा से फतेहाबाद के रूट पर नेशनल हाइवे 9 पर बने एक होटल में कुछ घण्टों के लिए रुके थे। नेशनल हाईवे 9 पर होटल सांवरिया में कुछ घंटों के लिए ठहरने की भनक लगने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने उस होटल के मालिक पवन को भी पुलिस ने हिरासत में लिया था, जिसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। इस होटल के कमरा नंबर 207 में ये सभी चारों लड़के ठहरे थे। जो दूसरी मंजिल पर था और इन्होंने होटल के रजिस्टर में झज्जर के पते पर रहने वाले एक सुमित नाम के शख्स का आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था जो फर्जी था। वहीं ये भी जानकारी आई है कि तकरीबन सारी रात ये सभी वहां रहे थे। शराब पी थी और खाना भी खाया था। इन शूटरों ने ऊपर का कमरा इसलिए लिया गया था ताकि अगर पुलिस की रेड होटल में पड़ेगी तो ये पिछले दरवाजे से भाग सकें। लेकिन इन्होंने होटल के रजिस्टर में अपना रुकने का समय कम डाला और तक़रीबन ढाई घण्टे का समय रजिस्टर में दिखाकर फरार हो गए। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम लॉरेन्स के गुर्गों का नेटवर्क जोड़ते हुए 20 जून को इस होटल में भी पहुंची और होटल के एक बिजनेस पार्टनर पवन को अपने साथ पूछताछ के लिए लेकर चली गई थी। जिसे कल छोड़ दिया गया था। पवन ने इस मामले में पुलिस को अपनी मौजूदगी चंडीगढ़ में दिखा दी और कई दिन से वहां होने के सबूत दिखाए। जिसके बाद पवन को पुलिस ने छोड़ दिया। लेकिन इसी होटल की कड़ियों को जोड़ते हुए फतेहाबाद के आसपास के 2 लड़कों विक्रम और काला को हिरासत में लेकर गई है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक काला नाम का शख्स लॉरेन्स के गुर्गों के सम्पर्क में था और शूटरों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने में आगे था। जिसके बाद काला और उसका साथी विक्रम दिल्ली पुलिस की हिरासत में हैं। वहीं सिद्धू मुसेवाला की हत्या के बाद जो शूटर इस होटल में ठहरे थे उनका लिंक खंगाला जा रहा है। क्योंकि मानसा से फतेहाबाद आने वाले कई रूटों पर इनकी गाड़ियां दौड़ी थी। यही वजह है कि जांच एजेंसियां बाकी बचे हुए शूटरों को पकड़ने के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाली कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई हैं।

जलालाबाद आईईडी विस्फोट मामले में एनआईए ने छह स्थानों पर तलाशी ली

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जलालाबाद आईईडी विस्फोट मामले में पंजाब के फिरोजपुर, फाजिल्का और तरनतारन जिलों में छह स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण (मोबाइल फोन, सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड, डीवीआर), गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज/ सामग्री जब्त की गई है। मामला फाजिल्का जिले के जलालाबाद शहर में पंजाब नेशनल बैंक के पास एक बाइक में हुए विस्फोट से संबंधित है। अधिकारी के अनुसार, मामले की जांच से पता चला है कि इसमें शामिल आरोपी पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों और तस्करों के संपर्क में थे और उन्हें आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की साजिश को अंजाम देने के लिए भर्ती किया गया था।

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा किया - जयशंकर

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि करीब ढाई वर्षों की कोरोना महामारी के कारण पासपोर्ट सेवाओं की बढ़ती मांग को मंत्रालय ने पूरा किया और औसतन नौ लाख मासिक सेवाओं का प्रभावी आंकड़ा दर्ज किया। पासपोर्ट सेवा दिवस' पर अपने संदेश में जयशंकर ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की चुनौतिपूर्ण स्थिति में भी पासपोर्ट सेवा ने उसी उत्साह के साथ काम किया। उन्होंने कहा मंत्रालय ने मजबूती के साथ काम करते हुए महामारी के ढाई वर्षों की अवधि में पासपोर्ट सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा किया और औसतन नौ लाख मासिक सेवाओं का प्रभावी आंकड़ा दर्ज किया तथा पिछले महीने 4.50 लाख अतिरिक्त आवेदनों को मंजूरी दी। विदेश मंत्री ने कहा हम 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस मनाते हैं, ऐसे में हम अपने नागरिकों को अगले स्तर की सेवा का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता से काम करना जारी रखेंगे।

गुजरात में कच्छ जिले के हरामी नाला क्षेत्र में बीएसएफ की गोली से दो पाकिस्तानी मछुआरे घायल

अहमदाबाद । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात के कच्छ जिले के पास भारत-पाक सीमा के करीब हरामी नाला क्रीक क्षेत्र से दो पाकिस्तानी मछुआरों को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में बताया कि दोनों पाकिस्तानी मछुआरों को कुछ दूर पीछा करने के बाद पकड़ लिया गया। हालांकि, पाकिस्तान की ओर भागने की कोशिश के दौरान उन्हें टखने में गोली लग गई। बीएसएफ ने कहा कि 23 जून 2022 को शुरू हुए एक तलाशी अभियान में बीएसएफ भुज ने शनिवार को पीछा करते हुए हरामी नाला क्षेत्र से दो पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा। दोनों को पाकिस्तान की ओर भागने की कोशिश करते समय टखने में गोली लग गई।

बीएसएफ के गश्ती दल ने गश्त के दौरान हरामी नाला इलाके में मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौकाओं की आवाजाही देखी। इसके बाद गश्ती दल तुरंत मौके पर पहुंचा और हरामी नाला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से मछली पकड़ने वाली नौ पाकिस्तानी नौकाओं को जब्त कर लिया। पाकिस्तानी मछुआरों ने भागने की कोशिश की, जो 300 वर्ग किलोमीटर से अधिक के क्षेत्र में फैले इलाके में छिपे हुए थे। बीएसएफ ने तलाशी अभियान जारी रखा और पूरे इलाके की घेराबंदी कर पड़ोसी देश की तरफ भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया। बीएसएफ के बयान के मुताबिक, गश्ती दल ने भाग रहे पाकिस्तानी मछुआरों को चेतावनी दी, लेकिन जब वे नहीं रुके तो बीएसएफ के जवानों ने उन पर गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मछुआरों को टखने में गोली लगी है, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बीएसएफ के अनुसार, इन मछुआरों की पहचान पाकिस्तान के जीरो प्वाइंट गांव के रहने वाले सदाम हुसैन (20) और अली बख्श (25) के रूप में की गई है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 15,940 नए केस एक्टिव मामले बढ़कर 91 हजार पार

नई दिल्ली । कोरोना महामारी का बढ़ता प्रकोप एक बार फिर से कई देशों के लिए चिंता की बात है। भारत में भी हाल के दिनों में कोरोना के मामलों में काफी तेजी देखी गई है। पिछले 24 घंटों में देश में कोविड-19 के 15,940 नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस अवधि के दौरान 20 लोगों की कोरोना के कारण जान गई है। कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 91,779 हो गई है। करीब 8 फीसदी कम मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को देश में 17,336 नए कोविड मामले दर्ज किए गए थे, जो पिछले दिन यानी गुरूवार की तुलना में 30 फीसदी अधिक मामले थे। देश में कोरोना के मामले शुक्रवार की तुलना में आज कुछ कम आए हैं। कोरोना के मामलों में ये कमी करीब 8 फीसदी है। पिछले 24 घंटों में 15 हजार 940 नए केस सामने हैं। वहीं, कोरोना संक्रमण की वजह से पिछले 24 घंटों में 20 लोगों की जान गई है।

हिमाचल के कुल्लू में आप की रोडशो, केजरीवाल बोले- हम राजनीति नहीं जानते, भ्रष्टाचार को खत्म करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस साल हिमाचल प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गर्म होती जा रही है। हिमाचल में दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी आम आदमी पार्टी लगातार अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी की ओर से पहले ही हिमाचल प्रदेश में चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया जा चुका है। यही कारण है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक लगातार हिमाचल प्रदेश के दौरे पर जा रहे हैं। इन सब के बीच आज आम आदमी पार्टी में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक बड़ा रोड शो किया। इस रोड शो में अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है।

अपने रोड शो में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम राजनीति नहीं जानते। हम यहां राजनीति करने नहीं आए हैं। हमारा सफर अन्ना आंदोलन से शुरू हुआ और फिर हमने पार्टी बनाई। उन्होंने दावा किया कि हमने देश से भ्रष्टाचार को खत्म करने का संकल्प लिया। पहले हमने दिल्ली में भ्रष्टाचार खत्म किया और फिर पंजाब में इसकी शुरुआत की है। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या आपने कभी किसी सीएम को अपने मंत्री को जेल भेजने के बारे में सुना है? मान साहब को पता चला कि उनका स्वास्थ्य मंत्री अनैतिक गतिविधियों में लिप्त है। विपक्ष, मीडिया को पता नहीं था। अगर वह चाहते तो वह इसे कालीन के नीचे दबा सकते थे या उनसे अपना हिस्सा मांग सकते थे। लेकिन उन्होंने जेल भेज दिया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का कई हज़ार करोड़ रुपए का बजट है, लेकिन पिछले 20 साल में यहां एक भी नया सरकारी स्कूल, सड़क, डिस्पेंसरी, सरकारी अस्पताल बना? तो ये सारा पैसा कहां जाता है? एक बार कांग्रेसियों की जेब में गया और एक बार भाजपा की जेब में गया। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले दिल्ली वालों ने इंजन बदला और लेटेस्ट मॉडल केजरीवाल को चुना तो दिल्ली के विकास की गाड़ी पटरी पर आ गई। अब पंजाब की बारी है। हर राज्य कह रहा है कि क्की सरकार हमारे यहां होनी चाहिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने ब्रज क्षेत्र के विकास पर केंद्रीय मंत्रियों से की चर्चा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास कार्यों के संबंध में दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से बातचीत की। प्रदेश सरकार ने यहां जारी एक बयान में कहा कि योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने ब्रज क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के संबंध में इन केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक की। योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से 361 किलोमीटर लंबी ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा परियोजना, 52 किलोमीटर लंबी ब्रज तीर्थ पथ परियोजना और 72 किलोमीटर लंबी गोवर्धन संपर्क परियोजना पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री के साथ 12 किलोमीटर लंबे मथुरा वृंदावन रेल मार्ग के विकास के बारे में चर्चा की। उन्होंने रेल मंत्री से मथुरा जंक्शन पर एक पर्यटक सुविधा केंद्र के निर्माण के बारे में भी बात की। योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री के साथ वृंदावन-मथुरा-गोकुल को जोड़ने वाली यमुना नदी पर जलमार्ग के विकास के बारे में चर्चा की। इस जलमार्ग के विकास से मथुरा, वृंदावन और गोकुल तीर्थ स्थल आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी।

गुजरात दंगों में मोदी को क्लीन चिट

भाजपा बोली- 7 एजेंसियों ने की थी पीएम से पूछताछ, राहुल गांधी तो 1 में हैं परेशान

पटना (एजेंसी)।

साल-2002 में गुजरात राज्य में हुए दंगे के मामले में देश की सर्वोच्च अदालत ने तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी और 63 अन्य लोगों को विशेष जांच दल यानी एसआईटी द्वारा क्लीन चिट दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका गुजरात दंगों में मारे गए कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जकिया जाफरी ने दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए इसे किसी गुप्त उद्देश्य के लिए मामले को जारी रखने की गलत मंशा से डाली गई याचिका कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि जो प्रक्रिया का इस तरह से गलत इस्तेमाल करते हैं, उन्हें कटघरे में खड़ा करके उनके खिलाफ कानून के दायरे में कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा नेताओं ने सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले को सत्य की जीत करार दिया है। इसको लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया।

गुजरात दंगे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को क्लीन चिट मिलने के बाद शुक्रवार को रविशंकर प्रसाद ने पटना स्थित बीजेपी कार्यालय में प्रेसवार्ता कर पत्रकारों से पीएम मोदी लगाए गए आरोपों व उस पर होने वाली कानूनी कार्रवाइयों को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पूर्व के केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है और जाकिया जाफरी ने केस किया था कि नरेन्द्र मोदी के मामले में जांच हो। नरेन्द्र मोदी 12 साल तक मुख्यमंत्री रहे और 9 सालों से प्रधानमंत्री हैं। 7 एजेंसियों के द्वारा उनके मामले की जांच हुई और उनको अब जाकर क्लीन चिट मिली है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि वो कोर्ट में भी हारे थे और बाहर में भी हारे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ 2001 से अभी तक षड्यंत्र किया जा रहा था, मगर वे लगातार जनता की सेवा व देश के विकास के कार्यों में लगे हुए हैं। इतने साल जांच के टॉर्चर में भी धैर्य नहीं खोया था। रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्ष की पूरी दुकान नरेन्द्र मोदी के विरोध में चल रही थी। हम देश को बताएंगे किस तरह कांग्रेस द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री को परेशान किया गया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी की कि पूरे मामले में कोई दम नहीं है। जानबूझकर कुछ लोग थे जो इनको परेशान करने में लगे थे। झूठी जानकारी पर नरेन्द्र मोदी पर कार्रवाई करने की कोशिश थी। सारी जांच यूपीए की केंद्र सरकार में हुई थी। मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपीए ने नरेन्द्र मोदी को रोकने की पूरी कोशिश की; जबकि सुप्रीम कोर्ट ऐसी कोशिशों को बार-बार रिजेक्ट कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से हो रही ईडी की पूछताछ पर कटाक्ष करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी से तो 9 घंटे तक पूछताछ की गई थी, मगर इस दौरान एक भी भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हंगामा नहीं किया था। पीएम मोदी से तो 7 एजेंसियों ने कई बार पूछताछ की, लेकिन उन्होंने कभी धैर्य नहीं खोया। मगर आज राहुल गांधी से केवल एक एजेंसी ईडी द्वारा पूछताछ के मामले में कांग्रेस पार्टी के तमाम नेता सड़कों पर हैं। कानून को अपना काम करने से रोकने की कोशिश करते हैं।

विपक्ष पर मनमानी का आरोप लगा मायावती ने राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को किया समर्थन का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। मायावती ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा- हमने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किया है। मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये भी कहा कि बीएसपी एनडीए या यूपीए की पिछलग्गू पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा- बीएसपी स्वतंत्र और निडर रहकर काम करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा- अगर कोई पार्टी देश के पिछले और उपेक्षित वर्ग के लिए काम करता है तो बीएसपी उसके साथ खड़ी रहेगी। फिर चाहे वो फैसला हमारे खिलाफ कितना भी नुकसानदेह क्यों ना साबित हो। मायावती ने कहा- बसपा का उद्देश्य बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों पर काम करना है। मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खास तौर पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग बसपा को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते, हमारे विधायकों को तोड़ने का काम किया जाता है। मायावती ने कहा यूपी में बीएसपी के नेतृत्व में चार बार की सरकार ने हमेशा दलितों, शोषितों और वंचितों के हित में काम किया है। मायावती ने राष्ट्रपति चुनाव में बसपा की उपेक्षा का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में हमें ये देखने को मिला कि विपक्षी दलों ने अपनी मनमानी की और बीएसपी को विपक्ष ने अलग-थलग रखाष। उन्होंने कहा पहले पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा एकतरफा चुनिंदा लोगों को बुलाना, फिर शरद पवार द्वारा बुलाई गई बैठक में बीएसपी को नजरअंदाज करना, इनकी एकता दिखावा ही लगती है।

दिल्ली में सुहानी रही सुबह, न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार की सुबह सुहानी रही और यहां न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, सुबह साढ़े आठ बजे हवा में सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 58 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिन में आसमान में बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम यानी 39.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम यानी 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, 27 जून से तापमान में गिरावट आने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (जलवायु परिवर्तन और मौसम विज्ञान) महेश पालावत ने कहा, दिल्ली में साफ आसमान के बीच चलने वाली शुष्क और गर्म पछुआ हवाओं के कारण अधिकतम तापमान एक बार फिर 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। हालांकि, 27 जून से आंधी और हल्की बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने की संभावना है। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली (सफर) के मुताबिक, दिल्ली में सुबह करीब नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 217 दर्ज किया गया।

संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन करके अग्निपथ योजना को वापस कराएगा : योगेंद्र यादव

रेवाड़ी (एजेंसी)।

मोदी सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने भी मोर्चा खोल दिया है। रेवाड़ी में किसान नेता योगेंद्र यादव सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। योगेन्द्र यादव ने कहा कि सेना में भर्ती होने वाले बच्चे किसानों के बच्चे ही होते है। जिस तरह से जवानों ने किसान आंदोलन को कामयाब करके कृषि बिल वापिस कराए थे। उसी तरह जवानों के लिए संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन करके अग्निपथ योजना को वापस कराएगा। जिसके लिए जन मोर्चा का गठन किया गया है। यादव ने कहा कि अग्निपथ योजना युवाओं के साथ एक छलावा है. जिस इलाके से 3 हजार से 4500 बच्चे सेना में हर साल भर्ती होते थे। उस इलाके से अब महज 900 या एक हजार युवाओं का ही नंबर आ पाएगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री के रोजगार देने की गारंटी के बयान पर कहा की जो प्रदेश के पूर्व सैनिक है, उनमें से दो प्रतिशत पूर्व सैनिकों को हरियाणा सरकार नौकरी नहीं दे सकी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ चीन भारत की जमीन पर कब्जा कर रहा है। दूसरी तरह मोदी सरकार सेना में जवानों को कम कर रही है। बता दें कि रेवाड़ी व आसपास के जिलों में बड़ी संख्या में युवक सेना में भर्ती की तैयारी में जुटे हैं। लेकिन कुछ दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ स्कीम लागू करने के बाद से तैयारी में जुटे युवाओं में काफी रोष है. इसके विरोध में 16 जून को रेवाड़ी उग्र प्रदर्शन भी हुआ था। हालात संभालने के लिए पुलिस को नाईवाली चौक पर लाठीचार्ज तक करना पड़ा था। हालांकि उसके बाद से रेवाड़ी व आसपास के जिलों में पूरी तरह शांति है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, सिलचर शहर छठे दिन भी जलमग्न

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

असम में शनिवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही और इसके चलते मृतकों की संख्या बढ़कर 118 हो गई। कछार जिले का सिलचर शहर छठे दिन भी जलमग्न रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण दस लोगों की मौत हुई है जिनमें बारपेटा, धुबरी, करीमगंज और उदलगुरी जिलों के दो-दो व्यक्तियों और कछार तथा मोरीगांव के एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

असम राज्य प्रबंधन आपदा प्राधिकरण (एएसडीएमए) द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, 28 जिलों में बाढ़ प्रभावित लोगों की संख्या अब घटकर 33.03 लाख रह गई है, जबकि कल 30 जिलों में यह आंकड़ा 45.34 लाख था। अधिकारियों ने कहा कि कुछ जिलों में स्थिति में मामूली सुधार हुआ है। नदियों का जल स्तर कुछ हद तक कम हुआ है। हालांकि, धुबरी में ब्रह्मपुत्र और नगांव में कोपिली नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने कहा कि कछार जिला प्रशासन बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाने को प्राथमिकता देने के साथ सिलचर में बचाव अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद से भोजन के पैकेट, पीने के पानी की बोतलें और अन्य जरूरी चीजें शहर में वितरित की जा रही हैं तथा यह कार्य तब तक जारी रहेगा जब तक कि स्थिति में सुधार नहीं हो जाता।

बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाढ़ की स्थिति पर निगरानी रखने के लिए सिलचर में दो ड्रोन भी तैनात किए गए हैं। सिलचर में ईटानगर और भुवनेश्वर से पहुंचे 207 कर्मियों के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के आठ दलों तथा 120 कर्मियों वाली एक सैन्य इकाई तथा दीमापुर से लाई गईं नौ नौकाओं को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि सिलचर में लगभग तीन लाख लोग भोजन, स्वच्छ पेयजल और दवाओं की भारी कमी से जूझ रहे हैं। एएसडीएमए बुलेटिन के मुताबिक, राज्य में सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित जिला बारपेटा है, जहां 8,76,842 लोग परेशानी में हैं।

इसके बाद नगांव (5,08,475), कामरूप (4,01,512) और धुबरी में 3,99,945 लोग परेशानी में हैं। इसमें कहा गया है कि बाढ़ से 93 राजस्व मंडल और 3,510 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि 2,65,788 लोगों ने 717 राहत शिविरों में शरण ली है। शिविरों में शरण नहीं लेने वाले बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच 409 राहत केंद्रों से राहत सामग्री वितरित की गई। एएसडीएमए ने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 312 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि बक्सा, विश्वनाथ, बोंगाईगांव, चिरांग, डिब्रूगढ़, दरांग, गोलाघाट, हैलाकांडी और कामरूप सहित कई स्थानों से बड़े पैमाने पर भूस्खलन की सूचना मिली है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई समेत राज्य भर में अशांति का माहौल उत्पन्न होने की आशंका

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,शिवसेना के वरिष्ठ नेता मंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना के अधिकांश विधायकों के बगावत के बाद राज्य की सियासत में भारी उथल-पुथल मच गई है. जिससे महाविकास अघाड़ी सरकार खतरे में है। मुंबई के शिवसेना विधायक मंगेश कुडलकर ने भी बगावत कर दी है और शिवसैनिकों ने कल उनके कार्यालय में तोड़-फोड़ की। मुंबई में शिवसैनिकों ने जिस प्रकार से आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है उसे यही लग रहा है कि कुछ दिनों में मुंबई में अशांति फ़ैल सकती है. इस बात को देखते हुए अब बीजेपी ने भी कड़ा जवाब देने का निर्णय लिया है. सूत्रों की मानें तो भाजपा की बैठक में कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि समय आने पर सड़कों पर उतरने की तैयारी कीजिए। दरअसल राज्य के राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर बीजेपी के तमाम नेताओं और पदाधिकारियों की अहम बैठक मुंबई में हुई. इस बैठक में मुंबई के ३६ विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों और पदाधिकारियों को एक अहम संदेश दिया गया है. शिवसेना में बगावत के चलते राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और मुंबई के हालात पर बीजेपी की ओर से यह अहम बैठक आयोजित की गई थी. शिवसेना के शिंदे गुट के विधायक के मुंबई पहुंचने के बाद बड़ा बवाल होने की आशंका है. इसलिए भाजपा ने कड़ा जवाब देने का निर्णय लिया है। खबर है कि भाजपा ने 36 निर्वाचन क्षेत्रों से 50 हजार कार्यकर्ताओं की फौज बनाने की मजबूत तैयारी करने का फैसला किया है।

शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारित हुए 6 प्रस्ताव

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,महाराष्ट्र में चल रहे सियासी संकट के बीच शनिवार को शिवसेना की राष्ट्रिय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई. शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी बचाने के लिए शिद्दत से लगे हुए हैं. उनकी शिद्दत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ये बैठक वो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करने वाले थे लेकिन बाद में वो शिवसेना भवन पहुंचकर बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए. बागी नेता एकनाथ शिंदे पर फैसला लेने से लेकर उद्धव को अधिकार मिलने तक इस बैठक के बड़े निर्णय थे. एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए उद्धव ने कहा कि अगर शिंदे में हिम्मत है तो अपने बाप के नाम पर वोट मांगकर दिखाएं. अब तक उन्हें शिवसेना और बाला साहेब के नाम पर वोट मिला था. उन्होंने शिंदे पर हमला करते हुए कहा कि पहले नाथ थे अब दास हो गए हैं. इसके अलावा इस बैठक में ये प्रस्ताव भी पास हुआ है कि शिवसेना के साथ गद्दारी करने वालों को क्या सजा देनी है इसका फैसला खुद उद्धव ठाकरे ही करेंगे.

- उद्धव ठाकरे पर जताया भरोसा

इस बैठक में शिवसैनिकों ने उद्धव ठाकरे पर भरोसा जताया है. इसीलिए सर्वसम्मति से उन्हें पार्टी का हर फैसला करने का अधिकार दे दिया गया है. राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तीन प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई जिसमें उद्धव ठाकरे पर भरोसा, बागियों पर एक्शन, उद्धव लेंगे फैसला और मराठी अस्मिता और हिंदुत्व पर कायम शामिल हैं. साथ ही, बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि कोई और बाल ठाकरे के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकता है. आपको बता दें कि खबर आई थी कि गुवाहाटी में मौजूद एकनाथ शिंदे का गुट नई पार्टी बना सकता है जिसका नाम शिवसेना (बालासाहेब) हो सकता है.

- बैठक में 6 प्रस्ताव रखे गए जो इस प्रकार हैं-

प्रस्ताव 1

उद्धव ठाकरे को पूरा अधिकार दिया गया है कि पार्टी में क्या निर्णय लेना है, उसका हर कोई पालन करेगा. साथ ही गद्दारी करने वालों का धिक्कार भी इस प्रस्ताव में पास किया गया.

प्रस्ताव 2

कोरोना काल में उद्धव ठाकरे की ओर से जो काम किया गया, किसानों की कर्जमाफी की गई उसके लिए उनका धन्यवाद.

प्रस्ताव 3

महाराष्ट्र में होने वाले महानगपालिका, नगर परिषद, नगर पंचायत, जिल्हा परिषद, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत समिति के चुनाव पूरी ताकत से लड़ी जाएगी.

प्रस्ताव 4

मुंबई शहर और उपनगर में कोस्टल रोड, मेट्रो रेल, 500 स्क्वायर फ़ीट घर मुफ्त दिए गए इसके लिए उनका धन्यवाद किया गया. भविष्य में भी उद्धव और आदित्य ठाकरे इसी तरह से शहर का विकास करते रहें.

प्रस्ताव 5

बालासाहेब ठाकरे का नाम शिवसेना छोड़ कोई और इस्तेमाल नहीं कर सकता है.

प्रस्ताव 6

शिवसेना से बेईमानी करने वालों पर क्या कार्रवाई की जाए, इसका फैसला उद्धव ठाकरे करें.

शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने देवेंद्र फडणवीस से वडोदरा में मुलाकात की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस से वडोदरा में कल रात मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच सरकार गठन पर चर्चा हुई है। यह भेंट ऐसे वक्त हुई है, जब शिवसेना के भीतर असली शिवसेना को लेकर जंग तेज हो गई है। उद्धव ठाकरे के पास विधायकों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन पार्टी पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए उनकी कवायद तेज हो गई है। शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को बैठक बुलाई गई, जिसमें उद्धव ठाकरे को बागियों पर कार्रवाई का अधिकार दिया गया है। साथ ही उनके नेतृत्व पर भरोसा भी पार्टी पदाधिकारियों ने जताया है। खबरों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे विशेष विमान के जरिये वडोदरा पहुंचे थे, जहां दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। सूत्रों का कहना है कि वडोदरा में शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे, हालांकि बैठक में उनकी उपस्थिति को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। सूत्रों का कहना है कि शिंदे विशेष फ्लाइट के जरिये कल रात असम के गुवाहाटी से वडोदरा पहुंचे थे। जहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। शिंदे इस मुलाकात के बाद गुवाहाटी के उस पांच सितारा होटल लौट गए, जहां 40 से ज्यादा बागी विधायक डेरा डाले हुए हैं।यह भेंट ऐसे वक्त हुई है, जब शिवसेना के ठाकरे गुट ने विधानसभा के डिप्टी स्पीकर को आवेदन दिया है और 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने

की बात कही है। इसको लेकर डिप्टी स्पीकर ने इन विधायकों को दो दिन का समय दिया है और 27 जून को शाम 5-30 बजे तक लिखित जवाब देने को कहा है। वहीं शिंदे गुट ने इस कार्रवाई पर ही सवाल उठाते हुए कहा है कि पार्टी की बैठक को लेकर व्हिप लागू नहीं होता।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अलग ही सलाह दी थी।

शिवसेना प्रवक्ता ने कहा कि फडणवीस इस मसले से दूर ही रहें, नहीं तो फंस जाएंगे। राउत ने शिवसेना में बगावत का देवेंद्र फडणवीस को मास्टरमाइंड बताया। शिवसेना नेता ने कहा कि "मैं देवेंद्र फडणवीस को केवल एक सलाह दूंगा, इस संकट में खुद को शामिल न करें।"

शिंदे गुट पहले ही कह चुका है कि शिवसेना को एनसीपी-कांग्रेस के साथ के महा विकास अघाड़ी के गठबंधन से बाहर आना चाहिए और अपने स्वाभाविक सहयोगी बीजेपी के साथ हाथ मिलाना चाहिए।

क्या शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे बना पाएंगे नई पार्टी ?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,महाराष्ट्र में चल रहे सियासी संकट के बीच शिवसेना के बागी नेता और मंत्री एकनाथ शिंदे अपनी नई पार्टी बनाने की कोशिशों में जुट गए हैं. बताया जा रहा है कि शिंदे ने अपनी पार्टी का नाम शिवसेना बालासाहब तय किया है. शिंदे ने नई पार्टी बनाने के बारे में तो सोच लिया है, लेकिन इस फैसले से जुड़े कई पहलू और हैं जिनके बारे में जानना जरूरी है. नियमों के अनुसार दल-बदल विरोधी कानून में साफ कहा गया है कि अगर कोई विधायक अपने पार्टी के व्हिप के खिलाफ जाकर सदन में मतदान करता है तो पार्टी की शिकायत पर विधानसभा के अध्यक्ष या उपाध्यक्ष उसको सदस्यता से अयोग्य ठहरा सकते हैं. हालांकि अगर पार्टी के दो तिहाई सदस्य एक साथ हैं और वह पार्टी के आधिकारिक आदेश का उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो सकती. वे नई पार्टी का गठन कर सकते हैं या किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं. अगर बागी विधायकों का नेतृत्व करने वाले एकनाथ शिंदे को लगता है कि उनके साथ पार्टी के दो तिहाई विधायक हैं तो इसके लिए उन्हें राज्यपाल या महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष को पत्र लिखना होगा. इस पर संज्ञान लेते हुए राज्यपाल या विधानसभा के उपाध्यक्ष मुख्यमंत्री को सदन में बहुमत साबित करने का आदेश दे सकते हैं.

- कैसे होगा नई पार्टी का गठन?

एकनाथ शिंदे की तरफ से दावा किया जा रहा है कि वह बागी नहीं है बल्कि उनके साथ अधिकतर विधायक हैं इसीलिए विधायक दल के नेता पद पर अजय चौधरी की नियुक्ति असंवैधानिक है. आपको बता दें कि, विधानसभा के उपाध्यक्ष ने शिवसेना के विधायक दल के नेता के पद पर अजय चौधरी की नियुक्ति के निवेदन को अपनी मंजूरी दे दी है. साथ ही, शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे हैं, अब अगर शिंदे असली शिवसेना होने का दावा करते हैं, तो उन्हें पार्टी और उसका चुनाव चिह्न पाने के लिए चुनाव आयोग के पास शिकायत करनी होगी. हालांकि नियमों के अनुसार पहले अलग गुट को मान्यता मिलनी जरूरी है. उसके बाद ही पार्टी के नाम और मान्यता के लिए चुनाव आयोग तक जाना होगा. ये सब करने के बाद ही नई पार्टी का गठन किया जा सकता है.

- शिवसेना ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

ताजा घटनाक्रम पर नजर डालें तो शिंदे के द्वारा नई पार्टी बनाने की चर्चा के बाद शिवसेना ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है. इसमें कहा गया कि किसी को भी शिवसेना या बालासाहेब ठाकरे के नाम का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए. वहीं बागी विधायक दीपक केसरकर ने कहा कि शिंदे गुट के विधायकों ने शनिवार को अपने ग्रुप का नाम शिवसेना बालासाहेब रखा है. हमें पहले मान्यता मिले फिर हम मुंबई आएंगे. इसके लिए उनकी तरफ से डिप्टी स्पीकर को चिट्ठी लिखी गई है.

- बागियों को डिप्टी स्पीकर की तरफ से नोटिस जारी

इस बीच शिवसेना के बागी विधायकों को डिप्टी स्पीकर की तरफ से नोटिस जारी कर दिया गया है. नोटिस के मुताबिक बागियों को 27 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है. ज्ञात हो कि शिवसेना की तरफ से शिंदे समेत कुल 16 बागी विधायकों को निलंबित करने का डिप्टी स्पीकर से अनुरोध किया गया था. वहीं इस नोटिस पर शिंदे गुट की तरफ से कहा